RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 25 डिग्री
न्यूनतम तापमान 12 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 24 डिग्री
न्यूनतम तापमान 12 डिग्री

शनिवार 15 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:44 बजे
सूर्यास्त सांय 17:27 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों की सीख

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक: 029 | गाजियाबाद, शनिवार 15 नवंबर 2025 | मूल्य: ₹ 2 | पेज: 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

वायु सेना का पिलेटस ट्रेनर विमान चेन्नई के निकट दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारतीय वायु सेना का एक पिलेटस ट्रेनर विमान शुक्रवार को चेन्नई में तांबरम के निकट दुर्घटनाग्रश्त हो गया हालाकि विमान का पायलट समय रहते सुरक्षित बच निकलने में कामयाब रहा। यह विमान नियमित प्रशिक्षण उडान पर था और दो बजकर 25 मिनट पर दुर्घटनाग्रश्त हो गया। विमान का पायलट सुरक्षित है। दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन किया गया है। वायु सेना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा," पीसी-7 एमके दो प्रशिक्षण विमान आज चेन्नई के तांबरम के पास एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान लगभग 1425 बजे दुर्घटनाग्रश्त हो गया। पायलट सुरक्षित बाहर निकलने सफल रहा और संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है।"

केरल में सरकारी अस्पताल के फर्श पर मरीज का इलाज, मंत्री ने किया बचाव

✷ **वेबवार्ता. तिरुवनंतपुरम** ✷। केरल के तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज में मरीजों का इलाज बेड पर नहीं फर्श पर किया जा रहा है। इसे लेकर हल्ला मचा तो स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने इसे गलत नहीं माना बल्कि तर्क देकर बचाव किया। मंत्री ने इसका ठीकरा भी मरीजों की बढ़ती संख्या पर फोड़ा। उन्होंने तस्वीर का दूसरा रुख दिखाया और तर्क दिया कि बीमारों की संख्या ज्यादा थी। जॉर्ज ने बचाव में कहा कि अच्छी बात ये रही कि किसी को बिना इलाज के लौटाया नहीं गया; जो भी आया उसको देखा जरूर गया। उनके मुताबिक, केरल के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में मरीजों की संख्या उम्मीद से ज्यादा है। उन्होंने आगे कहा, "हम बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। एक मरीज को भी बैरंग नहीं लौटाया जा रहा। कुछ तीमारदार मरीजों को छोड़कर चले जाते हैं, तो उनकी व्यवस्था भी हम कर रहे हैं।" वीना जॉर्ज ने रेफरल प्रोटोकॉल के सख्त पालन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "सभी को मेडिकल कॉलेजों में नहीं भेजा जाना चाहिए। बेड उपलब्धता सुनिश्चित होने के बाद ही मरीजों को रेफर किया जाना चाहिए।"

रिकार्ड जीत: बिहार में एनडीए सरकार

महागठबंधन के बुरे हाल, बड़े-बड़े दिग्गज चुनाव हारे

मंत्रियों की सीट: बिहार सरकार के सभी 29 मंत्री जीत की ओर

बिहार में एक बार फिर एनडीए सरकार बनती दिख रही है। दरभंगा से मंत्री संजय सरावगी और गया टाउन से मंत्री डॉ. प्रेम कुमार 20 हजार वोट से जीत हासिल की है। औपचारिक ऐलान बाकी है। वहीं, धमदाहा सीट से जेडीयू प्रत्याशी और मंत्री लेसी सिंह 50 हजार वोट से लीड ले चुकी हैं। तारापुर से सम्राट चौधरी और लखीसराय से विजय सिन्हा भी जीत की चुनाव जीत गए हैं। बांकीपुर से मंत्री नितिन नवीन जीतते हुए दिख रहे हैं। इधर, बीजेपी कोटे से मंत्री रेणु देवी ने एक बार फिर बेतिया से बढ़त बना ली है। जाले से जीवेश मिश्र, सीवान से स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे आगे चल रहे हैं। सरायरंजन से नीतिश के करीबी मंत्री विजय चौधरी, नालंदा से मंत्री श्रवण कुमार बढ़त बनाए हुए हैं।

बिहार में 90 सीटों के साथ पहली बार बीजेपी नंबर-1

बिहार में प्रचंड जीत के साथ एनडीए सरकार बना रही है। 90 सीटों पर बीजेपी, 84 सीटों पर जेडीयू और 29 सीटों पर उसकी

सहयोगी पार्टियां ने लगभग फतह हासिल कर ली है है। पहली बार बिहार में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। पिछले 25 साल में ये तीसरा मौका है जब एनडीए में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। इससे पहले 2000 और 2020 में भी बीजेपी नंबर वन थी। पिछले 4 चुनावों में हर बार नीतिश ही सीएम बने हैं।

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। 243 सीटों के परिणाम में एनडीए ने लगभग क्लीन स्वीप कर लिया है। बिहार के मतदाताओं ने अबकी बार एनडीए को ऐतिहासिक जीत दी है। एनडीए को 2020 के मुकाबले 65 से ज्यादा सीटों का फायदा हो रहा है, वहीं महागठबंधन को लगभग इतनी ही सीटों का नुकसान हो रहा है। पिछली बार 43 सीटों पर सिमटी जेडीयू इस बार 75+ पहुंच गई है। यानी नीतिश कुमार 10वीं बार सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। वहीं 92 सीटों पर बढ़त के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। महागठबंधन में राजद 24 सीटों पर जीत की ओर है जबकि 61 सीटों पर लड़ रही कांग्रेस सिर्फ1 सीट पर सिमट गई है।

फिर से नीतिशे कुमार एनडीए की डबल सेंचुरी

बिहार में एनडीए को जो सफलता मिली है, उसका अनुमान गठबंधन के बड़े-बड़े नेताओं ने भी नहीं किया था। यहां तक कि बिहार में एनडीए की बड़ी जीत का अनुमान लगाने वाले लगभग सभी एग्जिट पोल तक यह भांप नहीं पाए थे कि वहां सत्ताधारी बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के पक्ष में लहर चल रही है। सिर्फ एक एक्जिट पोल को छोड़कर किसी ने एनडीए की इतनी बड़ी जीत की भविष्यवाणी नहीं की थी।

पीएम बोले-बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया

बिहार चुनाव की जीत का जश्न दिल्ली में मना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने दिल्ली में शुक्रवार शाम को बिहार में एनडीए की जीत पर कहा कि बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। अब कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी। उन्होंने छठी मईया के जयकारे भी लगाए। वे शाम 6 बजकर 51 मिनट पर पीएम भाजपा मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का गमछा लहराकर अभिवादन किया। इस दौरान सारे कार्यकर्ताओं ने भी गमछा लहराया। इस मौके पर सबसे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जनता ने जंगलराज के खिलाफ को विकास चुना। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के चुनाव में जब मैं जंगलराज और कट्टा सरकार की बात करता था, तब आरजेडी के लोग तो कुछ नहीं कहते थे, लेकिन कांग्रेस के लोगों को यह बहुत चुभता था। मैं बार-बार कहता था।

अबकी बार नहीं बन सकेंगे पलटी मार

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में बीजेपी के लिए बहुत ही अच्छा संकेत है। बिहार में नीतिश कुमार की जेडीयू, यूं तो तीन दशकों से भी ज्यादा से बीजेपी की सहयोगी रही है लेकिन, नीतिश कुमार ने बीच-बीच में पलटी मार कर इसके लिए मुसीबत भी खड़ी की है। लेकिन, इस बार जो चुनाव के परिणाम आए हैं, अगर अंतिम परिणाम उसी तरह से आते हैं तो बीजेपी को छोड़कर भी नीतिश अब उसके लिए बिहार में चुनौती नहीं बन पाएंगे।

बाहुबलियों की सीट

● अनंत-अमरेंद्र पांडे रिकॉर्ड वोट से जीते ● मोकामा में सूरजभान के घर पसरा सन्नाटा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं। सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू हो गई थी। मोकामा से जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह और कुचायकोट से जदयू प्रत्याशी अमरेंद्र पांडे रिकॉर्ड वोट से जीत गए

हैं। दानापुर से लगातार आगे चल रहे बाहुबली रीतलाल हार गए हैं। बीजेपी के कैंडीडेट रामकृपाल यादव ने यह सीट जीत ली है। वहीं तरारी से बीजेपी कैंडीडेट विशाल प्रशांत और रघुनाथपुर से ओसामा भी जीत की ओर हैं। लालगंज से राजद प्रत्याशी शिवानी शुक्ला पीछे हैं। वहीं, ब्रह्मपुर से लोजपा(आर) प्रत्याशी हुलास पांडे आगे है। सबसे दिलचस्प मुकाबला मोकामा में रहा। यहां अनंत सिंह का मुकाबला सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी से था। अनंत

सिंह के समर्थकों ने पोस्टर लगाए हैं, जिसपर लिखा है- जेल का ताला टूटेगा, मेरा शेर छूटेगा। वहीं, छोटे सरकार के घर पर भोज शुरू हो गया है। विधानसभा के 243 सीटों में 15 सीटें ऐसी हैं, जिन पर बाहुबली हैं।

भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली में 2035 तक 8.11 करोड़ पंजीकरण जरूरी: रिपोर्ट

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली।, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को पाने के लिए भारत को 2035 तक उच्च शिक्षा प्रणाली में 8.61 करोड़ पंजीकरण की आवश्यकता है, जो वर्तमान श्तर से 85 प्रतिशत की वृद्धि है और जिसके लिए उच्च शिक्षा क्षमता में निरंतर 5.3 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता है।

'उच्च शिक्षा संस्थानों की निरंतर सुधार यात्राः प्रशिक्षण के भविष्य को आकार देने वाले दृष्टिकोण और अभ्यास' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और ग्रांट थॉर्नटन भारत द्वारा प्रकाशित की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, ''2035 तक सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के 50 प्रतिशत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को लगभग 8.61 करोड़ छात्रों का पंजीकरण करना होगा – जो इसके वर्तमान श्तर से 85 प्रतिशत की वृद्धि है।''

रिपोर्ट के अनुसार, ''इसका अर्थ है कि अगले दशक में लगभग 5.3 प्रतिशत की निरंतर वार्षिक वृद्धि दर चाहिए होगी, जो एक कठिन चुनौती है जिसके लिए छात्रों के लिए सीटों और संकाय क्षमता दोनों में महत्वपूर्ण विश्तार आवश्यक है।'' इसमें आगे कहा गया है, ''पारंपरिक भौतिक संस्थान आधारभूत बने रहेंगे, लेकिन वे अकेले इस पैमाने को पूरा नहीं कर सकते। इसलिए, एक अलग दृष्टिकोण आवश्यक है – जिसमें डिजिटल विश्वविद्यालयों, आभासी शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्रों और क्रेडिट-आधारित ऑनलाइन कार्यक्रमों जैसे प्रौद्योगिकी-सक्षम, लचीले शिक्षण मार्गों को व्यवस्थित रूप से अपनाना शामिल हो, जो भौतिक परिसरों से परे पहुंच का विश्तार करते हैं।''

सुरक्षाबलों ने कश्मीर में आतंकी नबी का घर उड़ाया

डॉ. उमर नबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट केस में गुरुवार रात सुरक्षा बलों ने पुलवामा में आतंकी डॉ. उमर नबी के घर को आईईडी ब्लास्ट से उड़ा दिया है। गुरुवार को ही डीएनए मैचिंग के बाद इस बात की पुष्टि हुई है कि कार में उमर ही था। उमर पुलवामा के कोइल इलाके में रहता था। पुलिस उसके माता-पिता और भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर, सुरक्षा बलों ने पिछले 3 दिन में कश्मीर में 500

दिल्ली ब्लास्ट: 500 लोकेशन पर छापा, 600 से ज्यादा हिरासत में

लोकेशन पर छापा मारा है। पूछताछ के लिए 600 लोग हिरासत में लिए गए हैं। खुफिया एजेंसियों ने खुलासा किया है अब तक गिरफ्तार 8 आतंकियों ने बताया कि वे 6 दिसंबर यानी बाबरी मस्जिद ढहाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत देशभर में कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। 10 नवंबर को हुए दिल्ली ब्लास्ट में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है।

दिल्ली ब्लास्ट में नूंह से छात्र-डॉक्टर हिरासत में- दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके के बाद पुलिस और जांच एजेंसियों ने फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में डेरा जमाया हुआ है। आज एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) के आने की भी उम्मीद है। इसी बीच नूंह से

एक डॉक्टर और एक एमबीबीएस, छात्र को जांच एजेंसियों ने हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक, डॉक्टर नूंह जिले के सुनहेड़ा गांव का रहने वाला मुस्तकीम है, जबकि छात्र फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के अहमदवास गांव का मोहम्मद है। मुस्तकीम ने चीन से मेडिकल का कोर्स किया था।

स्विफ्ट डिजायर कार डॉ. मुजम्मिल चलाता था

अब पुलिस को जिस चौथी स्विफ्ट डिजायर कार की तलाश है, उसके भी आतंकी मॉड्यूल से जुड़ी होने का शक है। बताया जा रहा है कि यह कार डॉ. शाहीन की है, लेकिन इसका इस्तेमाल डॉ. मुजम्मिल करता था। पुलिस ने फतेहपुरा तगा और धौज में उन घरों के आसपास भी इस कार के बारे में पूछताछ की, जहां 2900 किलो विस्फोटक मिला था। उधर, अब तक लाल रंग की इको स्पोर्ट्स और ब्रेजा कार बरामद हो चुकी हैं, जबकि आई-20 के विस्फोट में परखच्चे उड़ गए थे। अब चौथी गाड़ी स्विफ्ट डिजायर की तलाश है। बताया जा रहा है कि यह कार इस आतंकी मॉड्यूल की सदस्य डॉ. शाहीन शाहिद की थी, जिसे अक्सर डॉ. मुजम्मिल शकील इस्तेमाल करता था। फिलहाल, दोनों आतंकी पुलिस गिरफ्त में हैं। डॉ. शाहीन ने पुलिस पूछताछ में यह खुलासा कर दिया था।

साइबर खतरों से निपटने को भारत ने मध्य एशियाई देशों के साथ अभ्यास

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

भारत और मध्य एशियाई देशों ने साइबर खतरों का पता लगाने, उनसे निपटने और स्थिति के प्रबंधन के बारे में रणनीतिक साइबर अभ्यास किया है।

एक आधिकारिक वक्तव्य में शुक्रवार को यहां कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र के साथ मिलकर मध्य एशियाई देशों कज़ाकिश्तान, किर्गिज़ गणराज्य, ताजिकिश्तान, तुर्कमेनिश्तान और उज़्बेकिश्तान के साथ यहां तीन दिन के (12-14 नवंबर) रणनीतिक साइबर अभ्यास का आयोजन किया।

यह रणनीतिक साइबर अभ्यास सुरक्षा परिषदों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के सचिवों की भारत-मध्य एशियाई बैठक के ढांचे के तहत भारत द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं में से एक के सफल समापन का प्रतीक है। साइबर सुरक्षा एजेंसियों, राष्ट्रीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों और मध्य एशियाई देशों की संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की तकनीकी टीमों ने इस अभ्यास में भाग लिया।

इस अभ्यास का उद्देश्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले तेजी से परिष्कृत अंतरराष्ट्रीय साइबर खतरों से निपटने के लिए तकनीकी टीमों को उन्नत कौशल से लैस करना था। इसने गहन तकनीकी क्षमता निर्माण को उच्च-श्तरीय रणनीतिक नीति निर्णय लेने और सहयोग के भावी क्षेत्रों पर विचार-विमर्श के कौशल के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया।

क्षेत्र की साइबर सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों ने स्थायी रणनीतिक साइबर सहयोग के तंत्रों का पता लगाने के लिए भी चर्चा की। इस अभ्यास का सफल आयोजन भारत और मध्य एशिया की सामूहिक सुरक्षा यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो व्यक्तिगत राष्ट्रीय सुरक्षा से परस्पर जुड़े और लचीले साइबर पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन की ओर अग्रसर है।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने पोस्को मामला रद्द करने से किया इनकार

बैंग्लूरू एजेंसी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत दर्ज मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। इसके अलावा हाई कोर्ट ने पूर्व सीएम के खिलाफ निचली अदालत के कथित अपराध का संज्ञान लेने और समन जारी करने के आदेश को जारी रखा। हालांकि, हाईकोर्ट ने निचली अदालत को निर्देश भी दिया कि येदियुरप्पा की उपस्थिति पर तब तक जोर न दिया जाए, जब तक यह अत्यंत आवश्यक न हो। कर्नाटक हाई कोर्ट के जस्टिस एम आई अरुण ने मामले को रद्द करने से इनकार करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि येदियुरप्पा को इस मामले से बरी होने के लिए निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं। गौरतलब है कि जस्टिस अरुण का यह वर्तमान आदेश 7 फरवरी के उच्च न्यायालय के एक पूर्व आदेश के बाद आया है, जब न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने येदियुरप्पा के खिलाफ अपराधों का संज्ञान लेने वाले निचली अदालत के पहले आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि यह बिना सोचे-

समझे पारित किया गया था। हालाँकि, उस समय न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने जाँच और अंतिम रिपोर्ट को अपरिवर्तित छोड़ दिया था और मामले को नए सिरे से विचार के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया था। जस्टिस नागप्रसन्ना के इस आदेश के बाद निचली अदालत ने 28 फरवरी को एक नया आदेश जारी किया था। इसके बाद अंतरिम आदेश के जरिए कुछ समय के लिए रोक लगा दी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के ऊपर मार्च 2024 में एक 17 वर्षीय लड़की की मां ने बच्ची के साथ गलत काम करने का आरोप लगाया था। नाबालिग की मां की शिकायत के मुताबिक येदियुरप्पा ने फरवरी 2024 में बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया था।

पुणे जमीन विवाद में अंजलि दमानिया ने डिप्टी सीएम अजित पवार से मांगा इस्तीफा

पुणे , एजेंसी। पुणे जमीन घोटाले मामले में अजित पवार विपक्ष के निशाने पर हैं। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता अंबादास दानवे ने एक बड़ा बयान दिया है। दानवे ने महायुति के दावे को निराधार करार दिया है और कहा की पार्थ पवार मामले से नाराज होकर अजित पवार सरकार से इस्तीफा देने वाले थे। दरअसल, दानवे का कहना है कि अजित पवार के दबाव के कारण पार्थ पवार को बचाया जा रहा है। इस बीच सामजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने कथित पूणे जमीन घोटालों को लेकर अजीत पावर के इस्तीफे की मांग की है। अंजलि दमानिया ने डिप्टी सीएम अजित पवार को घेरते हुए कहा कि इस पुणे जमीन घोटाले मामले में पार्थ पवार का नाम एफआईआर में शामिल किया जाए और जिला कलेक्टर के खिलाफ एक्शन लिया जाए। सामजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया की ओर से इस्तीफा मांगे जाने पर डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज पर फैसला लूंगा। उन्होंने दावा किया कि पार्थ को इस बात की जानकारी नहीं थी कि कंपनी की ओर से खरीदी गई जमीन सरकार की है। के पास महार वतन की 40 एकड़ जमीन को 300 करोड़ रुपये में अमाडिया नाम की कंपनी को हस्तांतरित करने की कोशिश की गई थी। इस कंपनी में पार्थ भी एक हिस्सेदार थे। इसके बाद 21 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान न करने और जमीन की वास्तविक कीमत 1800 करोड़ रुपये होने का दावा करने के विवाद के बाद इस टेंडर को रद कर दिया गया था।

राजस्थान में सुबह-शाम बढ़ी ठिठुरन, दिन में सुहानी धूप

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में सर्दी एक बार फिर अपने तेवर दिखाने लगी है। राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया है, जिसके कारण सुबह और शाम के समय तीखी सर्द हवाओं के बीच लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि दोपहर होते-होते सूर्य की तेज किरणें मौसम को काफी सुहाना बना देती हैं। इस बार ऊपरी राजस्थान से लेकर दक्षिणी राजस्थान तक तापमान में गिरावट का असर साफ दिख रहा है।

गुरुवार को राज्य में सबसे ठंडा दिन सिरोही में रहा, जहां अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज किया गया। सिरोही में दिन का तापमान गिरकर 23.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन के सबसे कम अधिकतम तापमानों में से एक है। उधर, शेखावाटी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान लगातार 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है, जिससे सुबह और देर रात कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है।

गुरुवार की रात फतेहपुर में न्यूनतम तापमान सर्वाधिक गिरावट के साथ 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। फतेहपुर लगातार राजस्थान के सबसे ठंडे स्थानों में शामिल रहता है और इस बार भी

मौसम ने अपनी परंपरागत ठिठुरन बरकरार रखी।

इसके अलावा बारां में 9.8 डिग्री, चूरू में 9.7, सीकर में 9.4, पिलानी में 9.8 और नागौर में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इन शहरों में सुबह-सुबह घना कोहरा तो नहीं, लेकिन तेज सर्द हवाएं चलने से लोगों को घरों से निकलने में कठिनाई हुई।

सीकर, झुंझुनूं और पिलानी में सुबह-शाम शीतलहर जैसी स्थिति देखने को मिली। इन इलाकों में हवा की गति और तापमान दोनों सर्दी को और तीखा बना रहे हैं। हालांकि सुबह-शाम सर्दी अपने चरम पर रहने के बावजूद दिनभर तेज धूप मौसम को राहत दे रही है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 27 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया।

जैसलमेर में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो राज्य में सबसे गर्म शहरों में से एक बना। जोधपुर में दिन का तापमान 30.8, बीकानेर में 29.8, चूरू में 29.3 और गंगानगर में 28.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नागौर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री, उदयपुर में 28, कोटा में 29, सीकर में 27 और जयपुर में 29 डिग्री सेल्सियस रहा। अलवर में 27, पिलानी में 28.5, अजमेर में 28.6 और बारां में 28.8 डिग्री सेल्सियस का तापमान रिकॉर्ड किया गया। इन सभी शहरों में दोपहर के समय धूप निकलने के कारण लोगों को हल्की गर्माहट महसूस हुई और बाजारों, सड़कों पर सामान्य भीड़ दिखी। मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर ने अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम शुष्क और आसमान साफ रहने की संभावना जताई है। ठंडी उत्तरी हवाओं के प्रभाव से रात के तापमान में 2 डिग्री तक और गिरावट हो सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नवंबर के दूसरे पखवाड़े में सर्दी सामान्यतः तेज होती है, लेकिन इस बार तापमान औसत से 2 से 4 डिग्री कम चल रहा है। इससे शीतलहर जैसी स्थिति कई जिलों में बन सकती है।

डॉक्टरों ने सुबह के समय अत्यधिक ठंड के कारण बुजुर्गों, बच्चों और श्वसन रोगियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। सुबह की सैर और तेज हवाओं में बाहर निकलने से परहेज करने की हिदायत दी गई है।

राजस्थान में सर्दी इस समय तेज रफ्तार पकड़ चुकी है। सुबह-शाम की ठिठुरन और दिन की सुहानी धूप के बीच तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अगले कुछ दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है, जिससे सर्दियों का मौसम और भी कड़ा महसूस होगा।

राजस्थान के सबसे बड़े एसएमएस अस्पताल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

जयपुर, एजेंसी। राजधानी के सबसे बड़े एसएमएस अस्पताल में नए अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने कार्यभार संभालने के बाद प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव कर दिया है। 17 डॉक्टरों की जिम्मेदारियां बदल दी गई हैं। नए आदेश में न केवल जिम्मेदारी का पुनर्वितरण हुआ बल्कि यह भी साफ हो गया कि अब एसएमएस की गाड़ी नई रफ्तार और नए सिस्टम से चलेगी। रिश्वत प्रकरण में फंसे डॉ. मनीष अग्रवाल को ऑर्गन ट्रांसप्लांट कमेटी से हटाकर डॉ. गिरधर गोयल को नया कन्वीनर बना दिया गया है। डॉ. सतीश वर्मा को बनाया गया है हेड ऑफ ऑफिस। अब वे डी.डी.ओ., एस्टेब्लिशमेंट ऑफिस, अकाउंट सेक्शन और कांट्रेक्ट सेल की कमान संभालेंगे। यानी प्रशासनिक मामलों की चाबी अब उनके पास रहेगी। वहीं डॉ. प्रदीप शर्मा अब वीवीआईपी प्रोटोकॉल संभालेंगे - यानी कोई खास मेहमान आए तो अब सारी तैयारी उन्हीं की देखरेख में होगी। डॉ. गौरव शर्मा को सेंट्रल मेडिकल स्टोर और मेडिकल इक्यूपमेंट मेंटेनेंस का नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। उनके साथ डॉ. मनोज शर्मा की जोड़ी भी बनी रहेगी। डॉ. जगदीश मोदी अब ट्रॉमा सेंटर एमओआईसी, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा व जांच योजना, इंक्वायरी सेंटर और एम्बुलेंस सेवाओं की जिम्मेदारी देखेंगे। डॉ. बी.एल. यादव को ट्रॉमा सेंटर नोडल ऑफिसर और डॉ. आर.के. पूनिया को लीगल सेल का इंचार्ज बनाया गया है। वहीं डॉ. नरेंद्र सिंह अब ऑक्सीजन प्लांट की देखरेख करेंगे। डॉ. संजय शेखावत को आईसीयू मैनेजमेंट, ओटी मैनेजमेंट और मुख्य भवन की पहली मंजिल के मेडिकल ऑफिसर के तौर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. राजेश शर्मा को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, निरोगी राजस्थान और ओपीडी संचालन का जिम्मा सौंपा गया है। डॉ. एन.एस. चौहान को आरटीआई, संपर्क-सुगम पोर्टल और ग्रीवांस सेल का प्रभारी बनाया गया है। वहीं मुख्य भवन की जिम्मेदारी भी अब उन्हीं के पास होगी। डॉ. अजीत सिंह को मिली है सिक्योरिटी, वाइलेंस प्रिवेंशन और सीसीटीवी मॉनिटरिंग की अहम जिम्मेदारी। इंफेक्शन कंट्रोल भी उनके हवाले किया गया है, ताकि अस्पताल में सफाई और सुरक्षा दोनों मजबूत रहें।

यूपी में भीषण हादसा, श्रद्धालुओं से भरा आटो पलटा

अंबेडकरनगर एजेंसी। यूपी के अंबेडकरनगर में जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के रफीगंज,जलालपुर मार्ग पर मदरहा के समीप शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। भियांव दरगाह से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन के करीब यात्री घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार सुबह लगभग आठ बजे जौनपुर जनपद के कलीचाबाद निवासी 11 श्रद्धालु ऑटो से मालीपुर स्टेशन की ओर जा रहे थे। मदरहा के पास सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को बचाने के प्रयास में चालक का नियंत्रण ऑटो से हट गया, जिससे वाहन पेड़ से जा टकराया और पलट गया। हादसे के तुरंत बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में बिंदु (50), रंजना (19), सुनीता (40), साक्षी (14), सागर (12), बीना (35), सुशांत (14), जगत (68) और मीनाक्षी (22) समेत कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने 55 वर्षीय चिंता देवी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त ऑटो को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि घायलों का उपचार चल रहा है और सभी घायल जौनपुर जनपद के निवासी हैं।

मुकदमे में समझौता न करने पर पति ने पत्नी के अश्लील फोटो फेसबुक पर डाले

पीलीभीत, एजेंसी। यूपी के पीलीभीत में दहेज के मुकदमे में समझौता न करने पर पति ने सोशल साइट फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर पत्नी के अश्लील फोटो वायरल कर दिए। पत्नी के साथ ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के फोटो भी वायरल किए गए। गजरौला पुलिस ने विवाहिता की तहरीर पर पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले में मिली जानकारी के अनुार थाना गजरौला क्षेत्र के एक गांव के निवासी महिला ने थाना गजरौला में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें कहा गया कि उसकी शादी 26 अप्रैल को सुनील कुमार पुत्र मोहनलाल निवासी मोहल्ला हबीबगंज पूरनपुर के साथ हुई थी। विवाह के उपरांत उसके पति सुनील कुमार और ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर मारपीट करते थे। 30 नवंबर 2021 को ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट कर उसको घर से निकाल दिया। जिस संबंध में उसके पिता ने थाना गजरौला में दहेज का मुकदमा दर्ज कराया था।

उमर नबी के घर को सुरक्षा बलों ने उड़ाया, दिल्ली ब्लास्ट केस में ऐक्शन

कार विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई थी

पुलवामा एजेंसी। दिल्ली धमाके में विस्फोटक से लदी कार चलाने वाले मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी के पुलवामा जिले स्थित मकान को सुरक्षा बलों ने बम से उड़ा दिया है। यह कार्रवाई देर रात की गई। आपको बता दें कि सोमवार रात लाल किले के पास हुए कार विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। डॉ. उमर नबी उस हुंडई द्ब20 कार को चला रहा था, जिसमें विस्फोटक लदे थे। विस्फोट स्थल से एकत्र किए गए डीएनए नमूने डॉ. उमर की मां के नमूनों से मेल खाने के बाद उसकी पहचान की पुष्टि हुई थी। उमर नबी पर आरोप है कि वह पिछले दो वर्षों में कट्टरपंथी बन गया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि वह सोशल मीडिया पर कई कट्टरपंथी मैसेजिंग ग्रुप में शामिल हो गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अंतर-राज्यीय व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में काजीगुंड स्थित डॉ. मुजफ्फर के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए इंटरपोल से संपर्क किया है। गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में तीन डॉक्टर शामिल हैं। उनमें से एक डॉ. अदील का भाई है। जांचकर्ताओं ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आठ में से सात कश्मीर से हैं। मुजफ्फर भी उन डॉक्टरों की टीम का हिस्सा था जिसने 2021 में मुजम्मिल गनई और उमर नबी के साथ तुर्की का दौरा किया था। पुलिस के मुजफ्फर का पता लगाने की कोशिश करने पर पता चला कि वह अगस्त में भारत छोड़कर दुबई चला गया था और माना जाता है कि वह वर्तमान में अफगानिस्तान में है। आपको यह भी बता दें कि केंद्र सरकार ने दिल्ली विस्फोट के बाद अल फलाह यूनिवर्सिटी के सभी रिकॉर्ड का फोरेंसिक ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इसके साथ ही प्रवर्तन निदेशालय और अन्य वित्तीय जांच एजेंसियों को इस हरियाणा-स्थित संस्थान के मनी ट्रेल की जांच करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्णय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद लिया गया,।

फरीदाबाद के आतंकी डॉक्टरों से जुड़े 20 और जिहादियों की तलाश, 7 ग्रुप से चल रहा था नेटवर्क

फरीदाबाद , एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर पुलिस के हत्थे चढ़े फरीदाबाद मॉड्यूल के संदिग्ध दो टेलीग्राम ग्रुप, एक सिग्नल ऐप ग्रुप और चार व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिये ऑपरेट हो रहा था। जब मॉड्यल के खिलाफ धर-पकड़ की कार्रवाई शुरू हुई तो इन ग्रुपों से जुड़े करीब 20 सदस्य एग्जिट हो गए। पुलिस अब ग्रुप छोड़कर जाने वालों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस को शक है कि ये संदिग्ध भी मॉड्यूल का हिस्सा थे, तभी इन्होंने आनन-फानन में एजेंसियों से बचने के लिए खुद को ग्रुप से अलग कर दिया।

यह खुलासा फरीदाबाद मॉड्यूल के दबोचे गए संदिग्धों की डिवाइस की जांच में हुआ है। जांच एजेंसियों ने कुछ अन्य डिवाइस को भी जब्त किया है, जिनकी जांच जारी है। माना जा रहा है कि इन डिवाइस की जांच में भी कुछ सनसनीखेज खुलासे हो सकते हैं। मॉड्यूल को लेकर अबतक हुई तकनीकी जांच में यह पता चला है कि किसी ग्रुप को डॉ. मुजम्मिल ऑपरेट कर रहा था तो किसी ग्रुप को डॉ. अदील, डॉ. शहीन, जबकि एक ग्रुप को वसीम नाम कोई शख्स ऑपरेट कर रहा था।

मॉड्यूल के संदिग्ध और कार धमाके के फिदायीन डॉ. उमर द्वारा कुछ महीने पहले ही सिग्नल ऐप पर चार-पांच लोगों को जोड़ने की जानकारी भी मिल रही है। तकनीकी जांच व पूछताछ में मिलने वाली इन जानकारियों के आधार पर जांच एजेंसियां अब जिन भी प्लेटफार्म के जरिये ग्रुप से जुड़ी जानकारी मिल सकती है, उससे संपर्क साध रही है।

जांच एजेंसियों द्वारा बरामद किए गए डिवाइसों की जांच में संदिग्धों द्वारा जिस तरह से अपडेट किए जाने की बात सामने आई है, उसके मुताबिक मॉड्यूल का सरगना करीब दो महीने पहले फरार हुआ डॉ. मुजफ्फर है। संभवतः उसके जरिये ही तुर्कीये में जैश-ए-मोहम्मद के हैंडलर से मॉड्यूल के संदिग्धों डॉ. मुजम्मिल व डॉ. उमर की मुलाकात हुई थी। एजेंसियां अब ग्रुप छोड़ने वालों की तलाश में दिल्ली, यूपी, हरियाणा व कश्मीर में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है। शक के आधार पर लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही हैं। रिक्रूटमेंट चीफ अदील-शहीन की निशानदेही पर संदिग्धों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस दौरान यह बात भी सामने आई है कि जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर व मॉड्यूल के बीच कड़ी के तौर फरार संदिग्ध डॉ. मुजफ्फर ही काम कर रहा था।

छत्तीसगढ़ में इनामी 6 नक्सली ढेर

पुलिस ने बताया कैसे तोड़ी माओवादी संगठन के नेटवर्क की कमर

बीजापुर,एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने हाल ही में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दक्षिणी बस्तर के लिए खतरा माने जाने वाले छह कुख्यात माओवादियों को एक भीषण मुठभेड़ में मार गिराया। यह मुठभेड़ कांदुलनार-कचलारम के जंगलों में हुई। इस बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मारे गए नक्सलियों पर कुल 27 लाख रुपए का इनाम घोषित था और इनकी मौत से माओवादी संगठन के सैन्य, राजनीतिक और सप्लाई नेटवर्क की कमर टूट गई है। इस कार्रवाई को बीजापुर की DRG (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड), DRG दंतेवाड़ा और विशेष टास्क फोर्स की संयुक्त टीमों ने अंजाम दिया। इस बारे में जानकारी देने के लिए गुरुवार को बस्तर पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज, पुलिस उपमहानिरीक्षक दंतेवाड़ा और पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता की, जिसमें उन्होंने बताया कि यह सफल अभियान विश्वसनीय सूचना पर शुरू किया गया था, जिसमें DKSZCM पापाराव की मद्देड़ एरिया कमेटी के प्रभारी DVCM कन्ना उर्फ बुचन्ना और पामेड़ एरिया कमेटी की सचिव DVCM उर्मिला सहित 50-60 माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिली थी। आगे उन्होंने कहा, बीती 11 नवंबर की सुबह से शुरू हुए इस ऑपरेशन के दौरान रुक-रुक कर गोलीबारी का दौर चला, जिसके बाद मुठभेड़ स्थल से छह शव मिले जिन्हें

बीजापुर लाया गया साथ ही मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए। मारे गए नक्सलियों में से सबसे महत्वपूर्ण नाम DVCM कन्ना उर्फ बुचन्ना (35) का है, जिस पर आठ लाख रुपए का इनाम रखा गया था। बीजापुर पुलिस के अनुसार, बुचन्ना पर जिले के विभिन्न थानों में 42 आपराधिक मामले दर्ज थे और उसके खिलाफ 18 स्थायी वारंट जारी थे। पुलिस अधीक्षक बीजापुर जितेंद्र कुमार यादव ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, बुचन्ना उर्फ कन्ना पिछले एक दशक से अधिक समय से इस क्षेत्र में माओवादी हिंसा का एक प्रमुख चेहरा था। वह कैम्प हमलों, IED विस्फोटों, ग्रामीणों की हत्या, डकैतियों और संचार टॉवरों को नष्ट करने जैसी सैकड़ों वारदातों का मास्टरमाइंड था। उसकी मौत से इस क्षेत्र में आतंक का एक लंबा अध्याय समाप्त हुआ है। दूसरी प्रमुख कैडर DVCM उर्मिला थी, जो कुख्यात शीर्ष माओवादी नेता छ्यर्स्ष्टिरूपापाराव की पत्नी और पामेड़ एरिया कमेटी की सचिव थी। उस पर भी आठ लाख रुपए का इनाम था। उर्मिला न केवल हिंसक घटनाओं में शामिल थी, बल्कि संगठन के राजनीतिक विंग और PLGA (पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी) बटालियनों के लिए रसद आपूर्ति (सप्लाई चेन) की मुख्य संचालक भी थी। मारे गए अन्य माओवादियों में ACM जगत तामो उर्फ मोटू (5 लाख रुपए का इनामी) और तीन पार्टी सदस्य - देवे, भगत और मंगली ओयाम (तीनों पर दो-दो लाख रुपए का इनाम) शामिल हैं। इसमें दो इंसास राइफलें, एक 9 स्रू कार्बाइन, एक .303 राइफल, एक सिंगल शॉट राइफल, एक 12 बोर बंदूक, इनके मैगजीन और सैकड़ों कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा रेडियो सेट, स्कैनर, मल्टीमीटर, हथगोले, सुरक्षा फ्यूज, माओवादी साहित्य, वर्दी और चिकित्सा सामग्री भी जब्त की गई है।

एनसीआर टुडे

डीएम ने कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ, पदाधिकारियों को कराई शपथ ग्रहण

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा दोपहर 12:30 कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान उ.प्र. मिनिस्टीरियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ, शाखा बिजनौर के नए पद अधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई गई। उन्होंने नव निर्वाचित कार्यकारिणी अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, जिला मंत्री सुधांशु शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों को बधाई दी। डी.एम. ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वे नव निर्वाचित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी कर्मचारियों के हितों की रक्षा एवं उनके समस्याओं के निदान के लिए तत्पर रहेगे। साथ ही शासकीय कार्यों एवं अपने दायित्वों के प्रति पूर्ण निष्ठा पारदर्शिता एवं कर्तव्य बोध के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह, न्यायिक अंशिका दीक्षित, उप जिलाधिकारी सदर रितु चौधरी, अजीत उपाध्याय प्रांतीय मंत्री, कार्यकारिणी के सदस्य एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नेहरू जी को बच्चों से बहुत प्रेम था: विशाखा मित्तल

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगर के होली चाइल्ड स्कूल में पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया। स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्कूल के चार हाउस के बीच बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता के माध्यम से संस्कृति ,देश प्रेम ,धार्मिक और विमेन एंपावरमेंट के साथ साथ मनोरंजन रेट्रो म्यूजिकल थीम्स सब कुछ एक ही स्टेज पर देखने का सुनहरा अवसर मिला। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विशाखा मित्तल ने बच्चों को संबोधित करते हुए पंडित नेहरू के जीवन और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर प्रकाश डाला ।उन्होंने कहा नेहरू जी को बच्चों से बहुत प्रेम था। बच्चों को स्मृति चिन्ह देखकर भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर होली चाइल्ड की प्रधानाचार्या सी के चाँदकली, नगर समाज सेविका विशाखा मित्तल, मधु सिंह, इंदु ठुकराल मोहसीना, अलीशा, नेहा सैनी, रितिका, आशी, नशरा आदि मौजूद थी।

पूर्व विधयक सतीश कुमार गौतम के पुत्र देहरादून अस्पताल मे भर्ती

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगर निवासी भाजपा के पूर्व विधायक सतीश गौतम के छोटे पुत्र दीपक कुमार पैर की नस फट जाने के कारण परिजनों द्वारा देहरादून के अस्पताल में भर्ती किया गया। भाजपा नेता रोहित रवि ने बताया की छोटे भाई दीपक कुमार को महंत इंद्रेश अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां पर डॉक्टरों द्वारा उपयुक्त जांच की जा रही हैं। शीघ्र ही उत्तम तकनीक द्वारा इलाज किया जाएगा। इस समय उनकी हालत सामान्य है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सतीश गौतम,उनके बड़े पुत्र भाजपा नेता रोहित रवि, अमन नंदा, दीप्ति सिंह, रवि कुमार,संतोष देवी, लोकेश कुमार, गुड्डी सिंह, सुनहरी सिंह, जसवंत कुमार, अनिल कुमार, पप्पी सिंह, राणा कुमार एवं देहरादून के स्थानीय लोग उपस्थित रहे वह उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गृह संपर्क अभियान जोरो पर

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष उपलक्ष्य में नहटौर क्षेत्र में चल रहा गृह संपर्क अभियान जोर पकड़ रहा है। संघ के कार्यकर्ताओं ने खंड को 10 मंडलों में विभाजित कर कुल 163 ग्रामों में 131 टोलियां बनाकर संपर्क कार्य प्रारंभ किया है। इन टोलियों में कुल 414 कार्यकर्ता घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं, जिनमें 40 महिला कार्यकर्ता भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अब तक खंड के कुल 12822 परिवारों में से 5000 से अधिक परिवारों से संपर्क किया जा चुका है। कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित कर संगठन के सिद्धांतों और सामाजिक एकता के संदेश को सशक्त बना रहे हैं। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक हिन्दू परिवार तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा, कार्यप्रणाली और समाजहित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी पहुंचाना है। आने वाले दिनों में शेष परिवारों तक भी पहुंच बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बिहार में NDA को प्रचंड बहुमत पर रवि प्रजापति ने कराया मुंह मीठा कराया

✷ एनसीआर टुडे. कोतवाली देहात ✷। कोतवाली देहात । भारतीय जनता पार्टी के जिला सह संयोजक दिव्यांग प्रकोष्ठ रवि प्रजापति के निवास स्थान पर विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी की विकास की नीतियो एवं बिहार की NDA_सरकार के सुशासन को बिहार की सम्मानित जनता द्वारा विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत पर रवि प्रजापति जिला सह संयोजक दिव्यांग प्रकोष्ठ के नेतृत्व में ग्राम मुस्सेपुर में भाजपा कार्यकर्ताओ ने परिवार के सदस्यों ने आपस में मिष्ठान खिलाकर बम्पर जीत की खुशी मनाई। इस अवसर पर मौजपुर हरबंस के शक्ति केंद्र संयोजक चौधरी विदेश्वर सिंह, कोतवाली शक्ति केंद्र संयोजक जितेंद्र कश्यप, बूथ अध्यक्ष अरुण कुमार, बूथ अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह प्रजापति, जयवीर प्रजापति, शुभम चौधरी, राजू प्रजापति, व अन्य मौजूद रहे।

ऑनलाइन नंबर पर किया फोन, खाते से उड़े 98 हजार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साहिबाबाद थाना क्षेत्र में साइबर शातिरों ने एक व्यक्ति का मोबाइल हैक करके यूपीआई खाते से 98660 रुपये उड़ा लिए। पीड़ित ने वॉशिंग मशीन की मरम्मत करवाने के लिए ऑनलाइन निकाले गए नंबर पर कॉल किया था।

मामले में पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत की है। श्याम पार्क एक्सटेंशन में रहने वाले भुवनेश्वर प्रसाद के अनुसार उनके पास एक नामी कंपनी की वॉशिंग मशीन है, जो खराब हो गई थी। मशीन की मरम्मत करवाने के लिए उन्होंने कंपनी का नंबर ऑनलाइन पता किया। ऑनलाइन मिले नंबर पर उन्होंने फोन किया तो फोन रिसीव करने वाले ने कुछ देर में वापस फोन करने की बात कही और अन्य नंबर से उनके पास व्हाट्सएप कॉल आया।

फोन करने वाले ने खुद को कंपनी कर्मचारी बताते हुए कुछ डिटेल लीं। इस दौरान उनका फोन हैक हो गया और दो बार में उनके यूपीआई खाते से 98660 रुपये कट गए। खाते से रुपये निकलने की जानकारी होने पर उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत की और थाने पहुंच कर तहरीर दी।

पुलिस ने 13 नवंबर को मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। सीओ साहिबाबाद श्वेता यादव का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जिस खाते में रुपये स्थानानंतरित हुए हैं, उन्हें ट्रेस किया जा रहा है।

खाते से उड़ाए 17 हजार रुपये लिंक रोड थाना क्षेत्र के गांव साहिबाबाद में रहने वाले शिव कुमार के अनुसार उनके बैंक खाते से 16 हजार रुपये आयुष कुमार सिंह के खाते में स्थानांतरित हो गए। उसमें से छह हजार रुपये समीर कुमार नाम के खाते स्थानांतरित हुए।

उनकी शिकायत पर पुलिस ने आयुष कुमार का खाता फ्रीज कर दिया, लेकिन समीर कुमार के खाता फ्रिज नहीं किया जा सका। शिव कुमार समीर कुमार नाम का खाता फ्रीज करवाने और उनके रुपये वापस दिलवाने की मांग की है।

'मौत का मोड़' – हादसों का सिलसिला जारी, डिवाइडर ना होने से बढ़ रहा खतरा

✷ एनसीआर टुडे. तरजपुर ✷

क्षेत्र में स्थित खतरनाक मोड़ एक बार फिर हादसे का कारण बना। स्थानीय लोगों के अनुसार इस मोड़ पर आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। जिसका मुख्य कारण सड़क पर डिवाइडर का न होना बताया जा रहा है।

लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या संबंधित अधिकारी किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहे हैं? शुक्रवार 14 नवंबर को एक लोडिंग ट्रक ताजपुर से स्योहारा की ओर जा रहा था। करीब 2 किलोमीटर आगे खतरनाक मोड़ पर ड्राइवर ने जैसे ही वाहन को मोड़ने की कोशिश की, ट्रक अनियंत्रित होकर करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरा।

सूचना पर आसपास के लोग मौके पर पहुँचे तथा बाद में क्रेन की मदद से ट्रक को बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि ड्राइवर को केवल मामूली चोटें आई हैं और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस मोड़ पर डिवाइडर व सुरक्षा इंतज़ाम किए जाएँ।, ताकि भविष्य में होने वाले हादसों को रोका जा सके।

किसान के खेत में दिखा अजगर सांप का परिवार, वन विभाग की देरी से नहीं हो सका रेस्क्यू, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷

क्षेत्र के गांव कुलचाना में गुरुवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक किसान के ईख के खेत में दो से तीन अजगरों का परिवार दिखाई दिया। खेत के पास मौजूद ग्रामीणों ने पहले एक अजगर को देखा, लेकिन जब वे अंदर गए तो उन्हें एक और अजगर दिखाई दिया। एक साथ कई अजगरों को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की टीम मौके पर देर से पहुंची। जब तक टीम खेत में पहुंची, तब तक अजगर जमीन के नीचे बने बिलों में घुस चुके थे, जिसके कारण उनका रेस्क्यू नहीं हो सका!

गांव निवासी भाकियू टिकैत नेता प्रसुन चौधरी ने बताया कि सोवीर सिंह के खेत में अजगरों का पूरा परिवार देखा गया था। उनका कहना है कि वन विभाग लगभग तीन घंटे देर से पहुंचा, जिससे अजगर सुरक्षित बिलों में चले गए। अजगरों के न पकड़े जाने से ग्रामीणों में अब भी डर का माहौल बना हुआ है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग क्षेत्र में निगरानी बढ़ाए, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही की जा सके।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस पर आयोजित हुए कार्यक्रम

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नगर कांग्रेस कमेटी, नहटौर द्वारा 14 नवम्बर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री महान स्वतंत्रता संग्राम सैनानी पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर नगर अध्यक्ष जहांगीर जैदी जी की अध्यक्षता में

विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण, राष्ट्रगान एवं नेहरु जी को श्रद्धांजलि जी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में नेहरू जी के दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान, लोकतांत्रिक मूल्यों और वैज्ञानिक सोच का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि नेहरू जी का बच्चों के प्रति प्रेम और शिक्षा के क्षेत्र में उनका समर्पण आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है।

पण्डित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती एवं "बाल दिवस" के अवसर पर बच्चों के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, क्विज़ प्रतियोगिता, निबंध लेखन, चित्रकला, तथा वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बच्चों को रचनात्मकता, शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया गया। जहाँगीर (सुईट)ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे पंडित नेहरू के आदर्शों—एकता, समानता, शांति एवं प्रगति—को अपने जीवन में अपनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दें।

इस अवसर नगर कांग्रेस कमेटी नहटौर के नगर अध्यक्ष सैय्यद जहांगीर जैदी,नहटौर विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी/पी सी सी सदस्य श्रीमति मीनाक्षी सिंह,कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह,अनिल कुमार एड०, वसीम कुरेशी,परवेज़ इक़बाल,अमित त्यागी, साबिर हुसैन आदि मौजूद रहे।

महिला से दुष्कर्म करने का प्रयास, विरोध पर मारपीट

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर थानाक्षेत्र में महिला को बहाने से जंगल में ले जाकर दुष्कर्म के प्रयास

का मामला सामने आया है। विरोध पर आरोपी ई-रिक्शा ने पीड़िता से मारपीट भी की। पीड़िता ने मोदीनगर थाने में तहरीर दी है।

मोदीनगर की एक कॉलोनी निवासी महिला घरेलू सहायिका है। पीड़िता ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह घर जाने के लिए दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित मोदी मंदिर के सामने से ई-रिक्शा में बैठी थीं। आरोप है कि कुछ दूर चलने के बाद चालक ई-रिक्शा को जंगल में ले गया। वहां आरोपी ने पीड़िता के हाथ से उनके बच्चे नीचे उतार दिया।

इसके बाद गलत कार्य करने के लिए कहा। जब महिला ने इंकार किया तो आरोपी ने जबरदश्ती करने का प्रयास किया। इस पर महिला ने आरोपी को धक्का दे दिया। इससे नाराज होकर आरोपी ने महिला की बेरहमी से पिटाई कर दी। इसके बाद धमकी देकर फरार हो गया।

किसी तरह महिला भागकर मोदीनगर थाने पहुंची और तहरीर दी। सीओ मोदीनगर का कहना है कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर रिपोर्ट कर ली गई है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाल दिवस 14 नंबर बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

गोल्डन रोज पब्लिक हाई स्कूल रसूलपुर मुजफ्फरनगर में बाल दिवस 14 नंबर बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई।

इस अवसर 2025 का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस इंस्पेक्टर शेखर कुमार एवं विशिष्ट अतिथि सोनू कुमार किसान यूनियन ने खेल प्रतियोगिताका शुभारंभ झंडी दिखाकर किया । जिसके बाद पूरे दिन विभिन्न कार्यक्रम में छात्रों ने खेल प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजर सुजाउदीन संरक्षक मोहम्मद शादाब हुसैन विद्यालय के सभी समश्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशेष रूप से हेड कांस्टेबल आशीष कुमार तथा अंजू रानी ने अपनी गरिमात्मक उपस्थिति से छात्रों का उत्साह वर्धन किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य पुनीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि बाल दिवस बच्चों की मासूमियत ऊर्जा रचनात्मकऔर उज्वल .भविष्य का प्रतीक है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन का विकास करते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें वाद विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला एवं निबंध लेखन कबड्डी (बालक एवं बालिकावर्ग) वॉलीबाल खो खो कबड्डी स्पेशल इवेंट तथा टिंडर गार्डन के लिए विशेष जलपान एवं उपहार वितरण शामिल रहे। सभी गतिविधियों में छात्रों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लियाऔर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया विजयी छात्रों को विद्यालय की ओर से प्रशशित पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में सभी अतिथियों एवं विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

कांग्रेस कमेटी ने की कार ब्लास्ट की निंदा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय सेंट्रल मार्केट पुराना बस अड्डा गाजियाबाद जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा की अध्यक्षता में राजधानी दिल्ली के दिल में हुए कार ब्लास्ट की घटना में सभी भारतीयों के दिलों को हिल कर रख दिया ऐसी घटनाओं की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट बयान है कि इस प्रकार की कृत्य को अंजाम देने वाली असामाजिक तत्व को कठोर से कठोर सजा दी जानी चाहिए ताकि ऐसी घटना भविष्य में पुनरावृत्ति ना हो सके।

दिल्ली के बम कांड से प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाए जाने एवं इस घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद द्वारा कार्यालय पर सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी ने अपने-अपने तरफ से मृतक परिवारों के लिए संवेदना व्यक्त की एवं जो लोग घायल है उनकी जल्द स्वस्थ होकर अपने परिवार में पहुंचने की कामना की सभी ने 2 मिनट का मौन मृत्युको की आत्मा की शांति के लिए मोन रखा

कार्यक्रम में उपस्थित रहे जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा पूर्व मेयर प्रत्याशी पुष्पा रावत, पूर्व मेयर प्रत्याशी लालमन पाल सुरेंद्र शर्मा सुरेंद्र कुमार बबलू महिला जिला अध्यक्ष डोली त्यागी कृष्ण कांत राजेंद्र शर्मा ओम दत्त गुप्ता संगठन प्रभारी जितेंद्र कुमार आशुतोष गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी इस्लाम आबिद मनोज कुमार राय अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष, संदीप यादव सुशील शर्मा, रूपी अब्बासी सीमा नाजिम अश्वनी त्यागी कोषाध्यक्ष अभिमन्यु त्यागी प्रवक्ता पीसीसी मेंबर रिजवान अहमद आशीष बजीर सैफी राजीव शर्मा सलीम साहिल अब्बासी सोहेल अब्बासी आशा की लज्जा यादव कृपाशंकर राजेश गुप्ता दिसंबर नेगी तरुण रावत आदि सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस कमेटी कार्यालय में मना बाल दिवस

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

14 नवंबर 2025 चिल्ड्रन दिवस के नाम से भी मनाया जाता है जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय सेंट्रल मार्केट पुराना बस अड्डा गाजियाबाद का जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा जी की अध्यक्षता में चाचा नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन हर्षद उल्लास के साथ मनाया गया।

उनकी प्रतिमा पर सभी ने पुष्प अर्पित किए और कार्यो पर सभी ने विचार व्यक्ति किए गए जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नेहरू जी केवल देश के प्रथम प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की नींव रखने वाले दूरदर्शी नेता थे।उन्होंने कहा कि नेहरू जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था जहाँ सभी जाति, वर्ग और समुदाय के लोग समान रूप से आगे बढ़ें और विकास की मुख्यधारा में शामिल हों।

नेहरू जी सदैव वैज्ञानिक सोच, सामाजिक सद्भाव और प्रगतिशील भारत के समर्थक रहे।सतीश शर्मा ने कहा कि नेहरू जी ने अपने समय में ही चेताया था कि भविष्य में ऐसे लोग भी सत्ता में आ सकते हैं जो जातिगत और धार्मिक विभाजन को भड़काकर राजनीति करेंगे। आज के समय में उनकी यह चेतावनी और भी प्रासंगिक प्रतीत होती है।उन्होंने कहा कि नेहरू जी के विचार आज भी देश को सही दिशा दिखाते हैं और हमें उनके बताए हुए मार्ग पर चलते हुए एक मजबूत, समावेशी और विकासशील भारत का निर्माण करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित रहे सुरेंद्र शर्मा सुशील कुमार शर्मा राजकुमार शर्मा तरुण शर्मा आशुतोष गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी ममता सिंह ताहिर सैफी सुबोध शर्मा इज्जालु विधायक कनौजिया ओम दत्त गुप्ता संगठन प्रभारी केआर बी श्रीवाशतव श्याम पोरवाल डोली त्यागी महिला जिला अध्यक्ष सीताराम प्रजापति सुरेंद्र कुमार शर्मा राजेंद्र शर्मा उदय सिंह पाल इस्लाम आबिद रुबिया सैन शबनम सविता जैसवाल रूबी मलिक आदि सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिव्य सेवा संस्थान ने बच्चों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

समाजसेवी संस्था दिव्य सेवा संस्थान के कार्यकर्ताओं ने बाल दिवस के अवसर पर बच्चों को मेडल और प्रशशित पत्र देकर सम्मानित किया। जिन्हें पाकर बच्चे खुशी से झूम उठे।

नगर की प्रमुख समाजसेवी संस्था दिव्य सेवा संस्थान के स्वयंसेवकों ने बाल दिवस के उपलक्ष में नगीना में स्थित एन एस एस पब्लिक स्कूल, बिश्नोई सराय में पहुंचकर खेलकूद, निबंध और सुलेख आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

जिनमें जूनियर और सब जूनियर के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा किया। 400 मीटर की दौड़ में आदिया कक्षा 7 ने प्रथम और पवन कक्षा 6 ने द्वितीय और मानसी कक्षा 8 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

200 मीटर दौड़ में अली ने प्रथम, सोफिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में अक्षरा ने प्रथम ,प्रिंस ने द्वितीय और सुभान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में आदि ने प्रथम और मीनाक्षी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सुलेख प्रतियोगिता में हिमांशी ने प्रथम, अक्षरा ने द्वितीय और अल्फिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजई छात्र-छात्राओं को संस्थान के प्रबंधक संजय शर्मा, समाजसेवी सुगमचंद प्रधान ,विद्यालय के प्रबंधक अनिल शर्मा व स्टाफ के द्वारा मेडल और प्रशशित पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर संस्थान के प्रबंधक संजय शर्मा, समाजसेवी सुगमचंद प्रधान, विद्यालय प्रबंधक अनिल शर्मा, प्रधानाचार्य अदीबा परवीन, ज्योति वर्मा दिव्यांशी ,काजल, हिमांशी सहित सैकड़ों छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

मतदेय स्थल के सम्मभाजन को लेकर राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में दोपहर 03:00 कलेक्ट्रेट सभागार में मतदेय स्थलों के सम्भाजन संबंधी बैठक आयोजित हुई।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने बताया कि मा. निर्वाचन आयोग द्वारा प्रति मतदेय स्थल पर अधिकतम 1500 मतदाता एवं ऐसे मतदान केंद्र जहां स्थापित मतदेय स्थल पर 1500 से अधिक मतदाता मौजूद हैं।वहा पर, अन्य बूथ अथवा नए बूथ संभाजन के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिये थे कि बूथ संभाजन के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाए कि मतदाताओं को किसी भी प्रकार का दिक्कत न हो। मतदाता के घर से बूथ की दूरी निर्धारित दूरी से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश कि यदि किसी केंद्र पर दो बूथ हैं तो 1500 मतदाता प्रति मतदेय स्थल के रूप में समायोजित करने की कोशिश की जाए,। ताकि बूथों की संख्या कम हो सके। किसी बूथ पर अगर कम मतदाता हैं तो दूसरे अन्य बूथ से जोड़ने की कोशिश की जाए।, लेकिन यह जरूर ध्यान रखा जाए कि इससे मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बैठक में उपस्थित राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि उक्त संबंध में अपने सुझाव/आवेदन/प्रश्ताव जिला निर्वाचन कार्यालय में जल्द उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। ताकि उनको निर्वाचन आयोग को समयपूर्वक प्रेषित किया जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा, समश्त उप जिलाधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार, राजनीतिक दल भाजपा से धीर सिंह, बसपा से मुहम्मद सिद्दीक, सपा से अखलाक उर्फ पप्पू सहित अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग के विधिक सलाहाकार के नाम से फर्जी जमानत अर्जी दाखिल

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

स्वास्थ्य विभाग में विधिक सलाहकार ने उनके नाम से अदालत में फर्जी जमानत अर्जी दाखिल करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने बागपत की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पीसीपीएनडीटी के जिला समन्वयक उमेश कुमार गुप्ता ने आरोप लगाया है कि उनके नाम से बागपत की अदालत में फर्जी आधार कार्ड और फर्जी हश्ताक्षरों का इश्तेमाल करते हुए अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की गई। जिस समय की उपस्थिति न्यायालय में दिखाई गई, वह सीएमओ कार्यालय में मौजूद थे।

उन्होंने इसे अधिवक्ताओं और नोटरी की मिलीभगत बताते हुए इसे गंभीर षड्यंत्र करार दिया है। गुप्ता ने बागपत के जिला एवं सत्र न्यायाधीश को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की एसआईटी या न्यायिक मजिस्ट्रेट से निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि फर्जी जमानत अर्जी दाखिल किया जाना इस संगठित गिरोह की बड़ी साजिश का हिस्सा है, जो धन उगाही के उद्देश्य से उन्हें निशाना बना रहा है। पूर्व में जानलेवा हमला भी हुआ था वर्ष 2023 में उमेश गुप्ता पर जानलेवा हमला हो चुका है, जिसकी रिपोर्ट नंदग्राम थाने में दर्ज है और मामला न्यायालय में लंबित है।

संपादकीय

दो सौ आतंकी हमलों की साजिश

कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद केंद्र ने दिल्ली विस्फोट को 'जघन्य आतंकी घटना' करार दिया है। इसे देश-विरोधी ताकतों की आतंकी करतूत माना है, लिहाजा फिर दोहराया गया है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी और आतंकियों तथा उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा।

हमारी जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार छापेमारी कर जो साक्ष्य, डायरियां, नोटबुक्स आदि बरामद की हैं, उनसे 'डॉक्टर आतंकी गिरोह' के खौफनाक, नरसंहारी मंसूबे बेनकाब हुए हैं। दरअसल आतंकी 26 जनवरी, 2025 को ही लालकिले पर हमला करना चाहते थे। डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी (दिल्ली विस्फोट में भस्म) ने कई बार लालकिले की रेकी की थी और सुरक्षा-व्यवस्था तथा यातायात की जानकारियां जुटाई थीं, लेकिन वह साजिश नाकाम रही। अब प्रभु श्रीराम की अयोध्या सबसे पहले निशाने पर है। 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 'भगवा ध्वज' फहराने की रस्म प्रधानमंत्री मोदी निभाएंगे। जाहिर है कि वह एक भव्य आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समारोह होगा। आतंकी उस दौरान अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की सोच रहे हैं। इसका खुलासा बरामद दस्तावेजों और आरोपित आतंकियों से पूछताछ के दौरान सामने आया है।

आतंकी 25 नवंबर के बजाय 6 दिसंबर को 'राम मंदिर परिसर' में ही आतंकी विस्फोट कर सकते हैं। 1992 में इसी तारीख पर कथित बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। बहरहाल सिर्फ लालकिला ही नहीं, राजधानी दिल्ली का 'इंडिया गेट', गौरीशंकर मंदिर, कांस्टीट्यूशन क्लब (सांसदों की आवाजाही का स्थान), बड़े शॉपिंग मॉल्स, प्रमुख रेलवे स्टेशन आदि भी 'व्हाइट कॉलर आतंकी गिरोह' के निशाने पर हैं।

उनकी साजिश है कि 200 से अधिक विस्फोटक आईईडी बनाए जाएं और दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद में 26/11 आतंकी हमले की तर्ज पर नरसंहार किया जाए। आतंकी एक साथ करीब 200 आईईडी विस्फोट करने की साजिश पर काम कर रहे थे। फरीदाबाद में जो 2900 किग्रा. अमोनियम नाइट्रेट और आरडीएक्स बरामद किया गया था, वह इसी साजिश के मद्देनजर जमा किया जा रहा था।

जनवरी, 2025 से 'आतंकी डॉक्टर' और जैश-ए-मुहम्मद के गुरगे फरीदाबाद के 3-4 कमरों में विस्फोटक जमा कर रहे थे, लेकिन उन बोरों में खाद बताई जाती थी। विस्फोटक सामग्री और रसायन बांग्लादेश के रास्ते, नेपाल रूट से, फरीदाबाद तक लाए गए। अब भी करीब 300 किग्रा. विस्फोटक की तलाश की जा रही है, क्योंकि जांच एजेंसियों को कुल 3200 किग्रा. विस्फोटक होने का खुलासा किया गया है।

यह खुफिया-तंत्र की भी बहुत बड़ी नाकामी है, जो इतना विस्फोटक फरीदाबाद के दो गांवों तक पहुंच गया और उसकी भनक तक नहीं लग पाई। यह भी खुलासा अब सामने आया है कि डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर 2021 से तुर्किए जा रहे थे। दोनों के पासपोर्ट में तुर्किए के स्टाम्प मिले हैं। जनवरी, 2025 में दोनों ने शैक्षणिक एवं पेशेवर यात्राएं कीं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के जरिए यह खुलासा हुआ है कि तुर्किए में दोनों की मुलाकात जैश के हैंडलर से हुई। हैंडलर का कूटनाम 'उकासा' बताया गया है। उमर हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहा था और 2021 की यात्रा के बाद ही 'जेहादी कट्टरवाद' की ओर गया। अब खुफिया एजेंसियां तुर्किए में रहने वाले करीब 2000 कश्मीरियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। बहरहाल 'डॉक्टर आतंकवाद' का अनुभव भारत के लिए नया है। कोई यकीन भी नहीं कर सकता कि इनसान की जान बचाने वाले डॉक्टर ही 'आतंकी' बन सकते हैं, लेकिन यह आज का वीभत्स और कुरूप यथार्थ है। प्रधानमंत्री मोदी भूटान से लौटते ही लोकनायक अस्पताल में इलाजरत घायलों का हालचाल जानने गए। उन्होंने घायलों के प्रति हमदर्दी जताई, दिलासा दी और बातचीत की।

उनसे पहले गृहमंत्री अमित शाह भी, विस्फोट के दिन ही, अस्पताल गए थे। आम आदमी की तकलीफ में हमारे सत्ताधीश नेताओं की यह मुद्रा सुकून देती है, लेकिन आतंकवाद की नई लड़ाई बहुत लंबी और पेचीदा है। उधर पाकिस्तानी फौज ने जैश के सरगना को सेना के 'सेफ हाउस' में भेज दिया है। पाकिस्तानी हुकूमत में दहशत और तनाव है कि भारत इस बार भी हमला कर सकता है, लिहाजा सरहद पर मोर्चेबंदी शुरू हो गई है। देखते हैं कि अब राजधानी में ही विस्फोट और हत्याओं के बाद भारत सरकार क्या फैसला लेती है? पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया जाना चाहिए क्योंकि वह भारत में आतंकवादी गतिविधियों को फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। वह भारत की चेतावनी को बार-बार अनदेखा कर रहा है।

स्कूलों में धूमधाम से मनाया बाल दिवस

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद✷

ट्रांस हिंडन क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में शुक्रवार को धूमधाम से बाल दिवस मनाया गया। बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। इंदिरापुरम स्थित इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के अवसर पर वार्षिक उत्सव उमंग का भव्य आयोजन हुआ। बच्चों ने नृत्य, गीत, नाटक और रचनात्मक स्टॉल्स के माध्यम से प्रतिभा दिखाई। खेल, राइड्स और स्वादिष्ट व्यंजनों ने उत्सव को और रंगीन बनाया।

वसुंधरा सेक्टर-9 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर फूड फिएस्टा का आयोजन हुआ। बच्चों ने विभिन्न देशों और राज्यों के पारंपरिक व्यंजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम ने संस्कृति, स्वाद और एकता का संगम पेश किया। वसुंधरा सेक्टर- 13 स्थित महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर पपेट शो और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। रंग-बिरंगी कठपुतलियों के साथ प्रश्तुत पपेट शो ने बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं साहिबाबाद की दुलारी समिति ने बाल दिवस पर सनातन अपनाओ अभियान के तहत बच्चों को मंदिर संस्कार, पूजा विधि और संस्कृति की जानकारी दी। पंडित राहुल शर्मा ने पूजा कराई। बच्चों ने भजन, कविता व देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। खोड़ा मकनपुर स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन ने बाल दिवस पर बाल विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल में अंतरविद्यालय कला प्रतियोगिता आयोजित की। कक्षा एक से आठ तक के बच्चों ने भाग लिया। विजेताओं को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर प्रोत्साहित किया गया।

ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों की सीख

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर कई विकासशील एवं अविकसित देशों पर लगातार बढ़ रहे ऋण के दबाव के चलते इन देशों की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। इन देशों द्वारा अपने नागरिकों को लम्बे समय तक मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा गया है एवं यहां की सरकारों द्वारा अपने आय के साधनों में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई है।

नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को ऋण लेकर भी जारी रखना अब इन देशों के लिए आत्मघाती निर्णय साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है, और आज यह देश दिवालिया होने के मुहाने पर खड़े हैं तथा इन्हें अपना सामान्य प्रशासन चलाने के लिए खर्च करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक आंकलन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में वैश्विक श्तर पर सकल घरेलू उत्पाद का 98.9 प्रतिशत सार्वजनिक ऋण बकाया है, जो वर्ष 2030 तक 102.3 प्रतिशत तक बढ़ जाने की सम्भावना है। विभिन्न देशों के सार्वजनिक ऋण, आय से अधिक खर्च करने की प्रवृति, अधिक ब्याज दर, आय में कम वृद्धि होना, आदि कारकों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासशील एवं अविकसित देश अपनी आय में वृद्धि नहीं कर पाते हैं परंतु, उन्हें अपने नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए खर्च लगातार बढ़ाते रहना होते हैं।

इन्हीं कारणों के चलते श्रीलंका, अर्जेंटीना, सूडान, ग्रीस, मालदीव, सेनेगल, आदि देशों में तो आर्थिक आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी थी एवं विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा इन देशों की मदद के लिए आगे आना पड़ा था, अन्यथा यह देश लगभग दिवालिया घोषित होने की स्थिति में पहुंच गए थे। वर्ष 2025 में विश्व के प्रथम 10 देशों में, जिनका ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत सबसे अधिक है, शामिल हैं - जापान (229.6 प्रतिशत), सूडान (221.5 प्रतिशत), सिंगापुर (175.6 प्रतिशत), ग्रीस (146.7 प्रतिशत), बहरीन (142.5 प्रतिशत), इटली (136.8 प्रतिशत), मालदीव (131.8 प्रतिशत), अमेरिका (125 प्रतिशत), सेनेगल (122.9 प्रतिशत) एवं फ्रान्स (116.5 प्रतिशत)।

ग्रीस, घाना, हैती, मोजांबीक, पाकिस्तान, जाम्बिया, फिलिपींस, श्रीलंका, कीन्या, अर्जेंटीना, आदि देशों द्वारा अधिक मात्रा में लिए गए ऋण के चलते इनकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो चुकी है। इन देशों द्वारा अपने खर्चों को व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था एवं केवल जनता को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराना लम्बे समय तक जारी रखा गया था तथा साथ में आय बढ़ाने के साधनों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इससे इन देशों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता रहा तथा मजबूरी में इन्हें अपने साधारण सरकारी कामकाज चलाने के लिए भी ऋण लेते रहना पड़ा। वर्ष 2001 में युगांडा में वित्तीय संकट खड़ा हो गया था एवं उस समय पर युगांडा अपने सामान्य खर्चों को जारी रखने के स्थिति में भी नहीं था।

भारत में भी कुछ राज्य "फ्रीबी" के नाम पर कुछ ऐसी योजनाएं चला रहे हैं जिनके अंतर्गत राज्य की जनता के बिजली एवं पानी के बिल समय समय पर माफ किये जा रहे हैं। किसानों, बुजुर्गों एवं मातृशक्ति के बैंक खातों में सीधे ही कुछ राशि प्रति माह जमा की रही है। जबकि, इन राज्यों की वित्तीय स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि इनके बजट इस अतिरिक्त खर्च को वहन कर सकें। कुछ राज्य तो आज मजबूरी में इन योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए बाजार से ऊंची ब्याज दर पर ऋण भी लेने लगे हैं। जिसका प्रभाव इन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर विपरीत रूप से पड़ रहा है।

यदि समय पर ये राज्य नहीं चेते एवं इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया तो ये राज्य अपने भारी भरकम ऋणों पर ब्याज अदा करने में चूक करने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। जाहिर तौर पर जब राज्यों की आर्थिक स्थिति की चर्चा होती है तो इसका असर राज्यों के विकास और इन राज्यों में निवास कर रहे नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। लोकलुभावन राजनीति इन राज्यों की वित्तीय स्थिति को बहुत बुरे तरीके से प्रभावित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन में भी राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर कई

गंभीर पहलु और सवाल खड़े किए गए हैं।

विशेष रूप से पंजाब, केरल, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल आदि राज्य बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे जा रहे हैं और इन राज्यों की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही के समय में पंजाब, केरल, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की वित्तीय सेहत बहुत बिगड़ी है।

सभी राज्यों की वित्तीय सेहत का विश्तार से आकलन करने पर ध्यान में आता है कि कई राज्यों द्वारा अनियंत्रित रूप से चलाई जा रही मुफ्त योजनाओं, लोकलुभावन घोषणाओं, अत्यधिक सब्सिडी देने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली से इन राज्यों की वित्तीय सेहत बहुत बुरी तरह से बिगड़ रही है। राज्य, विशेष रूप से सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से, कई लोकलुभावन घोषणाएं करते हैं जैसे कि बिजली एवं पानी मुफ्त में उपलब्ध कराने का वादा, उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करने का वादा आदि जिसका सीधा असर राज्य की माली हालत पर पड़ता है। पंजाब की आर्थिक स्थिति पूर्व में ही बहुत गम्भीर अवस्था में पहुंच चुकी है फिर वहां नई सरकार ने किए गए चुनावी वादे अर्थात मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कार्य करना शुरू कर दिया है जिससे पंजाब की स्थिति निश्चित रूप से और अधिक बिगड़ने जा रही है और पंजाब को ऋण की किश्त एवं ऋणों पर ब्याज अदा करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है।

किन परिस्थितियों में, कितने प्रकार की, कितनी और किस श्तर तक लोक लुभावन घोषणाएं की जानी चाहिए, इस सम्बंध में अब नियम बनाने का समय आ गया है। वैसे यदि ऋण को उत्पादक कार्यों पर खर्च किया जाय तो अधिक ऋण-सकल घरेलू अनुपात अपने आप में बुराई नहीं है परंतु जब ऋण लेकर इसे अनुत्पादक कार्यों जैसे मुफ्त बिजली एवं मुफ्त पानी उपलब्ध कराने जैसे कार्यों पर खर्च किया जाता है तो इसका राज्य की आर्थिक व्यवस्था पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

चुनावों के वादे पूरे करने के लिए राज्यों द्वारा ऋण लिए जा रहे हैं। इन्हीं कारणों के चलते पंजाब की आर्थिक हालत आज बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गई हैं। देश के कई राज्य आज ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि इन राज्यों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक मदद यदि समय पर नहीं पहुंचाई जाती तो इन राज्यों की स्थिति भी आर्जेंटीना, श्रीलंका अथवा ग्रीस जैसी बनती दिखाई देती।

कुछ राज्यों की स्थिति तो यह है कि इनके रोजमर्रा के खर्चे चलाने के लिए उनकी कुल आय का 90 प्रतिशत भाग इन खर्चों पर उपयोग हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप राज्य के विकास कार्यों पर खर्च करने को कुछ बचता ही नहीं है। अब इन राज्यों की आय कैसे बढ़े? इन राज्यों द्वारा लगातार की जा रही लोक लुभावन घोषणाओं के कारण इन राज्यों के खर्चे लगातार अनियंत्रित रूप से बढ़ते जा रहे हैं।

इस तरह के खर्चों को करने के लिए नित नए ऋण लिए जा रहे हैं और इन ऋण राशि का उपयोग उत्पादक कार्यों में नहीं लगा पाने के कारण ये राज्य अपनी आय में वृद्धि भी नहीं कर पा ररही हैं। इस प्रकार ये राज्य "डेट ट्रैप" की स्थिति में फंसते जा रहे हैं।

आय का 25 से 30 प्रतिशत भाग ऋण का ब्याज भुगतान करने में ही खर्च हो रहा है। पंजाब तो अब आर्थिक मदद के लिए केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगा रहा है। इसी तरह राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की स्थिति भी बिगड़ रही है। अगर राज्य पूंजीगत खर्च नहीं कर रहे हैं तो अपना भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं।

इस प्रकार तो भविष्य में इन राज्यों की विकास दर भी रुक जाने वाली है। विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए।

यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समश्त परिवारों को 330 यूनिट बिजली मुफ़्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं। यदि राज्य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंततः उस प्रदेश की जनता को ही भुगतना पड़ता है।

यह राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आदि मदों पर होने वाले खर्च में कटौती करते हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास एवं भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए ठीक नहीं है। राज्य में आर्थिक विकास की गति कम होने से इन राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे है।

बांग्लादेश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली और अल्पसंख्यक समुदाय को सत्ता रही हिंसा की आशंका

कांतिलाल मांडोत

भारत की भागीदारी से जिस बंग्लादेश को अलग देश बनाया गया। वही आज हिन्दू अल्पसंख्यक हिंसा के शिकार हो रहे है। भारत के राजनयिक सम्बंधो को दरकिनार कर शेख हसीना का तख्तापलट करने वाले कट्टरपंथी समाज अल्पसंख्यक हिन्दुओ के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे है।

बांग्लादेश दक्षिण एशिया में एक मुस्लिम बहुल राष्ट्र है जहाँ लगभग 8% से अधिक आबादी हिन्दू अल्पसंख्यक हैं। जम्मा ए-इस्लामी जैसे इस्लामवादी एवं धर्मनिरपेक्ष राजनीति में सक्रिय समूह देश की राजनीतिक सामाजिक तस्वीर को जटिल बना देते हैं। इसके अतिरिक्त, राजनीतिक दलों और सरकार के बीच सत्ता-संघर्ष के कारण यही जनसंघर्ष अक्सर सामाजिक तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्रभावित करता रहा है।

वर्तमान में बांग्लादेश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की अवधारणा उस बदलाव के संदर्भ में उठ रही है जिसे छात्र आंदोलन, नागरिक समाज और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने मांग किया है। हालांकि, स्पष्ट रूप से यह प्रणाली देश में लागू है या नहीं, यह सवाल बना हुआ है।

एक सरकारी जानकारी के मुताबिक जुलाई-अगश्त 2024 के छात्र-आंदोलनों के बाद नया अंतरिम सरकार चुनावी सुधार एवं प्रशासनिक सुधार की दिशा में काम कर रही है। समानुपातिक प्रतिनिधित्व का उद्देश्य है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व सिर्फ बहुमत वाले धड़ों तक सीमित न रहे बल्कि जाति, धर्म, क्षेत्र, लिंग आदि विविध समूहों को भी संसद-स्थानिक शासन में उचित भागीदारी मिले।

यदि इस तरह की प्रणाली बांग्लादेश में पूरी तरह लागू हो जाए, तो अल्पसंख्यकों-विशेषकर हिन्दुओं के लिए बेहतर प्रतिनिधित्व संभव हो सकता है। जमात -ऐ-इस्लाम (जमात) बांग्लादेश में इस्लामी विचारधारा वाले प्रमुख राजनीतिक संगठन है जिसे कई आलोचकों द्वारा कट्टरवाद और अल्पसंख्यकों विरोधी कार्रवाई से जोड़ा गया है। उदाहरण के लिए जुलाई-अगश्त 2024 के दौरान छात्र-आंदोलन हिंसक मोड़ लेने पर जमात-छात्र संगठन सहित कुछ इस्लामी समूहों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगा था। इन आंदोलनों तथा रैलियों का उद्देश्य अक्सर सरकार-नीति से असन्तुष्ट आवाज उठाना, प्रशासनिक सुधार की मांग करना, या सत्ता-विग्रह की स्थिति बनाना रहा है। हालांकि, जब यह प्रदर्शन हिंसात्मक बने, तो सामाजिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर असर हुआ।

शेख हसीना के विरुद्ध 13 नवम्बर को सजा-घोषणा

भारत मे रह रही शेख हसीना को 13 नवम्बर को सजा सुनाने की प्रकिया शुरू होगी। हाल के वर्षों में बांग्लादेश में राजनीतिक- हिस्सेदारी के चलते कई बड़े मुकदमों और सजा-घोषणाओं की चर्चाएँ हुई हैं। शेख हसीना की सजा के संदर्भ में जहाँ तक देखा जा सकता है, ऐसा कोई स्पष्ट निर्णय नहीं मिल रहा है कि उन्हें सजा सुनाई गई हो। लेकिन उन पर इश्तीफा और सत्ता-परिवर्तन जैसी महत्वपूर्ण घटनाएँ हुईं हैं। जुलाई-अगश्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना ने 5अगश्त 2024 को प्रधानमंत्री पद से इश्तीफा दे दिया था।

ऐसे में यदि सजा से उनका पदच्युत होना या किसी अन्य कानूनी कार्रवाई को हम समझ रहे हैं, तो यह टिप्पणी योग्य है कि राजनीतिक अस्थिरता एवं हिंसा-प्रवण माहौल ने देश में कानून-व्यवस्था को तलहटी पर ला दिया है।

बांग्लादेश में हाल के वर्षों में राजनीतिक आंदोलन, प्रदर्शन, छात्र आन्दोलन, सांप्रदायिक तनाव अल्पसंख्यकों विशेषकर हिन्दुओं के विरुद्ध हिंसा के कई प्रमाण सामने आए हैं। जुलाई 2024 में बांग्लादेश के कई विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने सरकारी नौकरी में कोटा प्रणाली, प्रशासनिक असमानताओं और अन्य सामाजिक-शिक्षण मुद्दों के खिलाफ आन्दोलन खड़ा किया था।

इसके जवाब में सरकार ने इंटरनेट बंदी, कर्फ्यू, सेना-पुलिस तैनाती जैसे उपाय अपनाए। मानवाधिकार संगठनों ने सूचना दी है कि इन प्रदर्शनकारियों पर पुलिस व सुरक्षा बलों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग हुआ। आरयूबीरू, लाइव गोलियां, कंधे-पीछे निशाने, आदि रही है। प्रदर्शनों तथा राजनीतिक उथल-पुथल के बीच हिन्दू अल्पसंख्यक समुदाय विशेष रूप से प्रभावित रहा है।

अगश्त 2024 में हिन्दू व्यापारियों ने शिकायत की कि जब शेख हसीना इश्तीफा देने के बाद प्रदर्शनकारी घरों-दुकानों पर हमला कर रहे थे, तो हिन्दू व्यवसायों को निशाना बनाया गया। हिन्दू मंदिरों, पूजा-स्थलों तथा समुदाय के सामाजिक चिन्हों पर हमले की खबरें आईं। यह स्थितियाँ यह इंगित करती हैं कि राजनीतिक अस्थिरता समय में अल्पसंख्यक की सुरक्षा कमजोर हो जाती है। क्योंकि भीड़-भिड़ समुदायों-विरोधी रुख अपना सकती है, या सुरक्षा तंत्र असमर्थ रह सकती है।

सामाजिक भरोसा टूट रहा है। हिन्दू-मुस्लिम अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक बीच मेंराजनीतिक प्रतिनिधित्व एवं सुरक्षा की कमी गंभीर चिंता का विषय बन गई है। सरकार-सत्ताधारी दल तथा विपक्ष-पक्षी दलों के बीच कट्टरता और प्रतिशोध की प्रवृत्ति बढ़ गई है, जिससे कानून-व्यवस्था पर दबाव बढ़ा है।

बांग्लादेश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व का महत्व और चुनौतियाँ को देखते हुए अल्पसंख्यक समुदाय के लिए गम्भीर संकट है। समानुपातिक प्रतिनिधित्व का मॉडल उस स्थिति से बेहतर माना जाता है जहाँ एक ही धड़े द्वारा अधिकांश बहुमत जीत ले और अन्य छोटे-वोटर समूह अनदेखे रह जाएँ।

यदि बांग्लादेश में पीआर लागू हुआ या हो रहा है, तो इसके निम्न लाभ-हानि व्याख्यायित किये जा सकते हैं।

अल्पसंख्यकों जैसे हिन्दू को संसद-विधान परिषद में बेहतर भागीदारी मिल सकती है। राजनीतिक दलों को वोट-विभाजन तथा विविधता को धारण करना पड़ेगा, जिससे ध्रुवीकरण कम हो सकता है। सामाजिक न्याय व समावेश नीति को बढ़ावा मिलता है।

राजनीतिक-संस्थागत संरचना सेक्युलर बनाम धर्मनिरपेक्ष, सेना-साहाय, प्रशासनिक प्रभाव ने पीआर को अपनाना कठिन बना दिया है। हिंसा और ध्रुवीकरण के कारण छोटे समूहों का डर और असुरक्षा बनी रहती है। यदि सत्ता-संघर्ष और हिंसा बनी रही, तो पीआर सिर्फ नाम का बदलाव हो सकता है, मूल सामाजिक सुरक्षा नहीं बनी। यदि हिन्दू समुदाय पीआर के लाभ उठा सकें, तो उन्हें सक्रिय-पोलिटिकल भागीदारी, सामाजिक-संरक्षण तथा स्थानीय श्तर पर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना होगा।

सामुदायिक संगठन बनाएँहिन्दू समुदाय को स्थानीय-श्तर पर संगठित होना चाहिए। मंदिरों, पूजा-स्थलों, व्यवसाय समुदायों के बीच नेटवर्क हो। इससे किसी भी हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में जल्दी प्रतिक्रिया संभव हो सकेगी।

राजनीतिक विरोधाभास, छात्र आंदोलन, जनमत रैली इत्यादी के समय सामाजिक तनाव बढ़ सकता है। इस दौरान हिन्दू-व्यापार, पूजा-स्थल, सार्वजनिक जगहों पर सावधानी बरतें। यदि रैली या विरोध प्रदर्शन होने जा रहा हो, तो वहाँ से थोड़ी दूरी बनाए रखें।

स्थानिक पुलिस- स्टेशन, सामुदायिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं से पहले-से संपर्क बनाए रखें। पूजा-स्थलों व हिन्दू-आयोजन के समय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रवेश-नियंत्रण, सीसीटीवी, स्थानीय पुलिस-सहाय। यदि किसी समूह द्वारा धमकी मिल रही हो, तुरंत दर्ज करें और समुदाय-सहाय जुटाएँ। संपत्ति-व्यवसाय के भवनों, दुकानों पर विशेष निगरानी रखें, विशेष रूप से राजनीतिक अशांति के दौरान।

राजनीतिक भागीदारी बढ़ाएँ

स्थानीय चुनावों, पंचायत नगर-श्तर शासन में हिन्दू प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की कोशिश करें। राजनीतिक दलों से संवाद रखें और पहचान बनाएं कि हिन्दू-समुदाय मात्र वोट बैंक नहीं बल्कि सक्रिय भागीदार है।

चुनावी समय में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी वोटिंग करें एवं स्थानीय नेताओं को जवाबदेह बनाएं कि वे अल्पसंख्यकों-हित में काम करें। कानूनी जानकारी एवं समर्थन जुटा जात-धर्म-आधारित उत्पीड़न, अल्पसंख्यक-विरोधी हमले आदि की जानकारी रखें, और आवश्यक कानूनी सहायता के लिए संपर्क रखें। सामाजिक संगठनों-मानवाधिकार समूहों की सहायता लें, राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों को उपयोग करें। मीडिया में सूचना पहुँचाएँ, सोशल मीडिया-नेटवर्क को जागरूक करें। सामुदायिक सामाजिक-संबंध बनाएँ।

अन्य धर्म-समुदायों, मुसलमानों, स्थानीय प्रशासन एवं नागरिक समाज से संवाद बनाएँ। यह निष्पक्ष सहयोग अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण है। शिक्षा-प्रचार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सह-अशितत्व और आपसी भरोसा बढ़ाएँ। स्वयं-रक्षा-संबंधी जागरूकता अभियान चलाएँ कि किस प्रकार तनाव-वाले समय में प्रतिक्रिया की जाए, किन स्थितियों में पुलिस-प्रशासन से संपर्क करें।

बांग्लादेश में समानुपातिक प्रतिनिधित्व की दिशा में संभावनाएँ खुल रही हैं, लेकिन राजनीति-सामाजिक अस्थिरता, हिंसा-प्रवण माहौल और अल्पसंख्यकों के प्रति बढ़ते खतरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सिर्फ कानूनी बदलाव ही पर्याप्त नहीं हैं। सुरक्षा, भागीदारी, जागरूकता एवं सामाजिक-संबंधों का समन्वित विकास आवश्यक है। हिन्दू समुदाय को सक्रिय रूप से अपनी सुरक्षा-योजना विकसित करनी होगी। न कि सिर्फ रक्षा-मोड में, बल्कि भागीदारी-मोड में। इससे अल्पसंख्यको के लिए बंग्लादेश में सुरक्षा उपलब्ध हो सकती है।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार है)

आतंकवाद का बदलता स्वरूप

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

दिल्ली में दस नवंबर को लाल किला के पास बम विस्फोट से अनेक निर्दोष लोगों की जान चली गई। आतंकवाद के काम के लिए जैश-ए-मोहम्मद और अंसार-गजावत-उल-हिन्द को जिम्मेदार माना जा रहा है। दिल्ली में हुए इस विस्फोट से पहले जम्मू-कश्मीर और हरियाणा की पुलिस ने इस नैटवर्क के कुछ प्रमुख लोगों को पकड़ लिया था।

9 नवम्बर को ही गुजरात पुलिस ने एक आतंकवादी संगठन के कुछ लोगों को गिरफ्तार किया जो किसी बड़ी वारदात का मौका तलाश रहे थे। लेकिन गुजरात व दिल्ली/कश्मीर से पकड़े गए आतंकवादियों में एक नई समानता दिखाई दे रही है। गुजरात में जो तीन लोग पकड़े गए हैं उनका सरगना आन्ध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) का डाक्टर सैयद अहमद मोहिउद्दीन है।

यह डाक्टर चीन में लम्बे अरसे तक डाक्टरी सीख कर आया है। यह प्रयोगशाला में रिसिन नाम का जहर तैयार कर रहा था। यह जहर दुनिया का सबसे घातक जहर है। न इसकी गंध होती है और न ही स्वाद। इसलिए यदि इसको किसी केन्द्रीकृत जल स्रोत में मिला दिया जाए दो तबाही मचा सकता है। इस जहर वाले डाक्टर के दूसरे दो सहायक शेख आजाद सुलेमान और मोहम्मद सुहेल सलीम भी पकड़े गए हैं। तीनों ने अहमदाबाद, लखनऊ और दिल्ली की अनेक बार रेकी भी की। लेकिन वे किसी वारदात को अंजाम दे पाते उससे पहले ही गुजरात पुलिस की गिरफ्त में आ गए। जिन दिनों तेलंगाना के डा. सैयद अहमद मोहिउद्दीन भारत पर आतंकवादी आक्रमण के लिए रासायनिक हथियार बना रहा था, उन्हीं दिनों कश्मीर और लखनऊ में भी कुछ डाक्टर इसी काम में लगे हुए थे। लेकिन वे जहर के रासायनिक हथियार नहीं बना रहे थे बल्कि वे विभिन्न रसायनों को मिला कर उच्च गुणवत्ता के विस्फोटक तैयार कर रहे थे।

तीन हजार किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ तो अभी तक पुलिस अपने कब्जे में ले चुकी है। ये डाक्टर फरीदाबाद के अलफलाह विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में सक्रिय थे। पुलिस को संदेह है कि विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं का प्रयोग छात्रों को कुछ सिखाने के साथ साथ विस्फोटकों पर भी प्रयोग तो नहीं किए जा रहे थे? अभी तक आतंकवाद को लेकर विद्वान लोग यही व्याख्या कर रहे थे कि बेरोजगारी के कारण हताशा में युवा पीढ़ी बंदूक उठा लेती है। केवल आतंकवाद ही नहीं माओवाद/नक्सलवाद को लेकर भी बुद्धिजीवी यही तर्क देते हैं। ये तर्क वे लोग देते हैं जिनके कान भीतर की आवाज को सुन नहीं पाते। वे लोग अपना बौद्धिक आतंक व नेतृत्व जमाए रखने के लिए इस प्रकार की हवाई व्याख्याएं देते हैं। जबकि आतंकवाद का मूल कहीं और है।

तंकवाद महज हताशा या दुस्साहस नहीं है। इसके पीछे पूरी विचारधारा होती है। उस विचारधारा के आधार पर कुछ प्राप्त करने की कल्पना की जाती है। उस प्राप्ति के लिए आतंक, हत्या को हथियार के तौर पर इश्तेमाल किया जाता है। यह ध्यान रखना चाहिए कि आतंकवाद महज एक साधन है जिसके प्रयोग से कोई व्यक्ति या समूह प्रचलित व्यवस्था के स्थान पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित करना चाहता है।

वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित करने के लिए दूसरे तरीके भी हैं। सबसे प्रचलित तरीका लोकतांत्रिक तरीका है।

इससे लोगों को अपना मत व्यक्त करने का अवसर दिया जाता है। लेकिन जब किसी ग्रुप को लगता है कि लोग उनके साथ नहीं हैं, वे उस व्यवस्था से सहमत नहीं हैं जो व्यवस्था यह ग्रुप स्थापित करना चाहता है। उस स्थिति में इस प्रकार के विशेष ग्रुप आतंक का सहारा लेते हैं। आतंक फैलाने के लिए हिंसा और हत्या का सहारा लिया जाता है। लेकिन वे जानते हैं कि किसी दोषी की हत्या से आतंक नहीं फैलता। उससे तो आम आदमी ख़ुश ही होते हैं। इसलिए निर्दोषों की हत्या करके आतंक फैलाया जाता है।

आतंकवाद और नक्सलवाद का मूल इसी व्याख्या में छिपा हुआ है। लेकिन प्रश्न यह है कि भारत में जो समूह अलग अलग या मिल कर आतंकवाद का प्रयोग कर रहे हैं, वे आखिर क्या प्राप्त करना चाहते हैं? ऐसी कौन सी वैकल्पिक व्यवस्था है जो वे भारत में स्थापित करना चाहते हैं? इसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कई बार ये समूह व्याख्या कर चुके हैं या करते रहते हैं।

ये समूह मानते हैं कि भारत में सदियों पहले जो प्रयोग शुरू किया था, वह अभी तक सफल नहीं हो सका। अधूरा रह गया है। ये समूह भारत को दारुल इस्लाम बनाना चाहते हैं। दरअसल एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) के शासन का जब भारत में से अन्त हुआ तब तक वे भारत को इस्लामी देश बनाने में सफल नहीं हो सके थे।

उससे पहले ही भारत में एक दूसरी विदेशी ताकत आ गई थी जो ईसाई बिरादरी से ताल्लुक रखती थी। भारत में एटीएम की सत्ता ही समाप्त नहीं हुई बल्कि एटीएम की अपनी हालत ही दयनीय हो गई। भारत के देसी मुसलमानों से उनका कोई ताल्लुक नहीं था। हिन्दुश्तान में जो मुसलमान थे वे देसी मुसलमान थे जो इस एटीएम के शिकार थे न कि शिकारी। सत्ता से हट कर जब एटीएम मूल के मुसलमान जमीन पर उतरे तो उनकी संख्या महज दो तीन प्रतिशत ही थी।

इसलिए अपनी अगली रणनीति के लिए वे नए अंग्रेज शासकों की शरण में चले गए। एटीएम की उसी रणनीति में से अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी निकली और उसी रणनीति के चलते भारत के एक हिस्से को पाकिश्तान के नाम से इस्लामिक देश घोषित किया गया। लेकिन मकसद तो ईरान की तरह पूरे हिन्दुश्तान को इस्लामी देश बनाना था। इसे महज संयोग ही कहा जाएगा कि विश्व में सोवियत रूस और अमेरिका की दादागिरी में, रूस को सबक सिखाने के लिए अमेरिका को रणनीति के चलते इस्लामी आतंकवाद की जरूरत पड़ गई। इसके लिए पाकिश्तान अमेरिका से पैसा लेकर अपने यहां आतंकवाद की प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए तैयार हो गया। सभी आतंकवादी समूह इसी प्रयोगशाला में से निकले। इन प्रयोगशालाओं का नेतृत्व अरब व तुर्क मुसलमानों के हाथ में ही था। सभ्यताओं के इस संघर्ष में अब केवल भारत ही आंख की किरकिरी है। इसलिए इन अमेरिकी प्रयोगशालाओं के स्पिलिंटर्ज अब भारत को भी निशाना बना रहे हैं। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि अभी तक भारत का एटीएम बहुत ही होशियारी से आतंक के लिए देसी मुसलमानों का ही प्रयोग कर रहा था।

स्वयं पर्दे के पीछे रह कर उन्हें विचार व हथियार ही दे रहा था। एटीएम बेरोजगार या अनपढ़ नहीं है। न ही वह हताश है। बल्कि इसरे विपरीत ही हद दर्जे का शातिर है। भारत में देसी मुसलमानों का नेतृत्व करता है। इसलिए आतंक की अपनी रणनीति में देसी मुसलमान जिसे वह पसमांदा, अरजाल, अलजाफ और न जाने क्या क्या कहता है, को ही मैदान में उतारता है। उन्हीं के पेट पर बम बांध कर उन्हें चारे के तौर पर इश्तेमाल करता है। लेकिन लगता है अब देसी मुसलमान आगे आने से मना कर रहा है। यही कारण है कि ये जो नया आतंकवादी समूह राडार पर आया है, इसमें ज्यादा वे लोग हैं जो अभी तक पर्दे के पीछे रहते थे और केवल नेतृत्व करते थे। लेकिन अब ये खुद ही मैदान में उतर आए हैं। ऐसा मुझे इसलिए भी लगता है क्योंकि एक्शन के लिए तैयार जो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से एटीएम मूल के कुछ सैयद भी दिखाई पड़ रहे हैं। यह आतंकवाद की रणनीति में बदलाव का संकेत है या फिर देसी मुसलमान का एटीएम से मोहभंग होना है? इस पर रोक लगनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

डायनासोर का मॉडल देखकर अवध कॉलेजिएट के बच्चे हुए रोमांचित

लखनऊ, एजेंसी। अवध कॉलेजिएट की सभी शाखाओं रामगढ़, दरोगाखेड़ा, पारा और मोहान रोड के बच्चों ने बृहस्पतिवार को जुरासिक पार्क, जू, साइंस सिटी और जनेश्वर मिश्र पार्क की सैर की। इस दौरान जुरासिक पार्क में विशाल डायनासोर का मॉडल देखकर बच्चे रोमांचित हुए। साइंस सिटी के थ्री–डी शो और प्रयोगों ने उनमें विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ाई। जनेश्वर मिश्र पार्क में खेल, लंच और समूह गतिविधियों ने दिन को यादगार बना दिया। पिकनिक प्रबंधक सर्वजीत सिंह, निर्देशिका जतिंदर वालिया और संयुक्त निदेशिका डॉ. ब्रह्मजोत कौर के मार्गदर्शन में बच्चों ने खूब उत्साह दिखाया।

48 रेलवे पेंशनधारकों ने बनवाए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र

लखनऊ, एजेंसी। रेलवे पेंशनधारकों की सुविधा के लिए चारबाग स्थित रोलिंग स्टॉक कार्यशाला में डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र शिविर लगाया गया। यहां 48 रेलवे पेंशनधारकों ने डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाए। चीफ ऑफिस सुपरिंटेंडेंट (सेटेलमेंट) स्वगता डे ने बताया कि शिविर 30 नवंबर तक प्रशासनिक भवन के मुख्य हॉल में सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक चलेगा। पेंशनधारकों को आधार कार्ड, पेंशन भुगतान आदेश, पंजीकृत मोबाइल नंबर, बैंक पासबुक साथ लाना अनिवार्य है। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन की ओर से 17 व 18 नवंबर को हजरतगंज स्थित डीआरएम कार्यालय व बादशाहनगर स्टेशन परिसर में डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र के लिए शिविर लगाया जाएगा।

शादी के तीन दिन में ही नकदी और गहने लेकर भाग गईं थीं दो दुल्हनें, कोर्ट से इस शर्त पर मिली जमानत

आगरा, एजेंसी। लुटेरी दुल्हन की आरोपी हरियाणा के प्रेमनगर, सिरसा निवासी अंतिमा जैन ने अदालत में जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। जिला जज संजय कुमार मलिक ने प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर सशर्त जमानत का आदेश दिया है। नेताजी नगर, नामनेर निवासी अमन जैन ने थाना रकाबगंज में केस दर्ज कराया, जिसमें आरोप लगाया था कि वह और उनके मौसेरे भाई रानू की शादी उनके रिश्तेदार ग्वालियर के शेरू जैन, मुकेश और रिया ने कराई थी। गरीब परिवार की लड़की और उसके परिजन की मदद के लिए 3 लाख रुपये दोनों भाइयों से लिए थे। 15 अक्तूबर को उन्होंने हरियाणा के प्रेमनगर, सिरसा निवासी अंतिमा जैन से शादी करा दी। उससे पहले आरोपियों ने मौसेरे भाई रानू की शादी रविदास नगर भदोही निवासी अंजली उर्फ पूजा यादव से कराई थी। शादी के तीन दिन बाद ही 18 अक्तूबर की सुबह उनके मौसेरे भाई रानू की पत्नी अंजली घर से नकदी और गहने लेकर फरार हो गई थी। उनकी पत्नी अंतिमा भी भागने के चक्कर में थी। इससे पहले उन्होंने पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों दुल्हनों सहित पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसी मामले में सशर्त जमानत का आदेश दिया गया है।

ककरहा रेंज में तेंदुए के हमले में किसान की मौत

मिहींपुरवा। तेंदुए के हमले में बृहस्पतिवार शाम एक किसान की मौत हो गई। ककरहा रेंज में बेझा देवउवन पुरवा निवासी भीखन (55) अपना खेत देखने जा रहा था। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वन विभाग ने पगचिह्नों को देखकर तेंदुए के हमले की बात कही है। कतर्नियाघाट के ककरहा रेंज में बेझा देवउवन पुरवा निवासी भीखन (55) पुत्र सिंहा रोज की तरह बृहस्पतिवार शाम करीब चार बजे खेत की रखवाली के लिए निकले थे। जब वे खरबुजहा पुल के पास पहुंचे, तभी धान के खेत में छिपे तेंदुए ने उन पर अचानक हमला कर दिया। इस दौरान भीखन के चीखने की आवाज सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे लोग दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो भीखन को मृत अवस्था में पाया। वन क्षेत्राधिकारी डीपी कनौजिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्र की तलाशी कराई। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर मिले पदचिह्नों से यह स्पष्ट है कि हमला तेंदुए ने ही किया है। वहीं मुर्तिहा कोतवाली के अमृतपुर चौकी इंचार्ज अमित गुप्ता ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाने और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग की है। गांव के कुछ लोगों का कहना है कि हमलावर वन्य जीव बाघ था, जबकि वन विभाग उसे तेंदुआ बता रहा है। वन विभाग ने सटीक जानकारी के लिए घटनास्थल के आसपास कैमरा ट्रैप लगाने की तैयारी शुरू कर दी है ताकि वन्य जीव की पहचान सुनिश्चित की जा सके।

45 हजार ओवरलोड वाहन गुजरे, हत्थे चढ़े सिर्फ 51

व्हॉट्सएप पर चल रहा था दलाली का खेल, हुआ खुलासा

लखनऊ, एजेंसी। दलालों के माध्यम से मौरंग, गिट्टी, बालू के ओवरलोड ट्रकों का संचालन करने वाले सिंडिकेट का खुलासा करते हुए एसटीएफ ने एक दलाल और डंपर चालक को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल की कार्यप्रणाली भी जांच के घेरे में आ गई है। अक्तूबर में लखनऊ से 45 हजार से अधिक ओवरलोड वाहन गुजरे। प्रवर्तन टीम ने इनमें से सिर्फ 51 ओवरलोड वाहनों का चालान किया व 31 वाहन सीज किए।

परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों की जिम्मेदारी सड़कों पर आवेरलोड ट्रकों, बसों व अन्य वाहनों पर कार्रवाई करने की है। हालांकि, इसे सही से नहीं निभाया जा रहा है। इसके पीछे अफसरों की अपनी दलीले हैं। स्टाफ की कमी से लेकर वाहनों को बंद करने के लिए यार्ड का अभाव का तर्क दिया जाता है।

अक्तूबर में परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने लखनऊ में 51 ओवरलोडेड वाहनों का चालान किया। इनमें से 31 वाहनों को ही सीज किया गया। इसके अलावा 51 ओवरलोड वाहनों से अधिक माल उतारा गया, जो 231 टन रहा। जिन वाहनों का चालान किया गया, उनसे जुर्माने के रूप में 13.08 लाख रुपये वसूले गए।

सूत्र बताते हैं कि लखनऊ में कानपुर, सीतापुर, अयोध्या, सुल्तानपुर व हरदोई रूट से रोजाना आने-जाने वाले ओवरलोडेड वाहनों की संख्या 1500 के आसपास है। इस हिसाब से एक महीने में 45 हजार से अधिक वाहन लखनऊ के रास्ते ओवरलोड सामान के साथ गुजर गए, लेकिन अफसरों को ये नजर नहीं आए।

पूरे संभाग की स्थिति बदहालः सूत्रों के अनुसार पिछले छह महीने में संभाग के जिलों से 16.20 लाख ओवरलोडेड वाहन सड़कों से गुजरे। इनमें से सिर्फ 3001 वाहनों के ही चालान हुए। सीज किए गए वाहनों की संख्या 3108 ही रही। इनसे 9.91 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला गया। लखनऊ में 408, उन्नाव में 737, रायबरेली में 621, सीतापुर में 556, लखीमपुर में 377, हरदोई में 302 चालान किए गए।

न स्टाफ, न यार्ड कैसे हो कार्रवाई : अफसरों की दलील है कि ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के आड़े संसाधनों का अभाव आता है। न स्टाफ है और न ही यार्ड। इससे वाहनों को पकड़ने के बाद बंद करने में दिक्कतें आती हैं। लखनऊ में ही चार एआरटीओ के पद हैं, जिसमें से तीन खाली हैं। चार पीटीओ (यात्री कर अधिकारी) में से दो मुख्यालय पर तैनात हैं। प्रवर्तन दल के स्टाफ में 15 सिपाही, पांच सुपरवाइजर, पांच ड्राइवर होने चाहिए लेकिन इनकी संख्या क्रमशः तीन, एक, एक ही है। इसी तरह लखनऊ से सटे सभी हाइवे पर यार्ड होना चाहिए, लेकिन अभी सिर्फ आशियाना की पी-4 पार्किंग ही है।

रिश्वत की रकम और वाहनों की सूची देते थे अधिकारियों को : ओवरलोडेड ट्रक, डंपर पास करने के लिए दलाल रिश्वतखोरी का खेल व्हॉट्सएप से चला रहे थे। बृहस्पतिवार को पकड़े गए दलाल अभिनव पांडेय के मोबाइल फोन में हृष्ठश्रत्रहृ801 नाम का व्हॉट्सएप ग्रुप एसटीएफ को मिला है, जिससे 122 लोग जुड़े हैं।

अभिनव ने बताया कि वे लोग कभी-कभी रिश्वत की रकम और वाहनों की सूची सीधे अधिकारियों को दे देते थे। कुछ अफसर सीधे रिश्वत न लेकर ड्राइवर व अधीनस्थों के माध्यम से डीलिंग करते थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि लखनऊ की तरह अन्य जनपदों में दलाल सेटिंग करके ओवरलोड वाहन पास कराने का काम करते थे।

आरोपी डंपर चालक कपिल ने बताया कि उसके मालिक ने ओवरलोडेड वाहन को हमीरपुर से लखनऊ व पूर्वांचल तक चलाने के लिए दलालों को रुपये देकर सेटिंग कर रखी है। दलाल खेल में शामिल अधिकारी व कर्मचारी को वाहनों के नंबर की सूची भेज देते हैं। सूची में दर्ज नंबर की गाड़ी को किसी भी हाल में नहीं रोका जाता।

वजन कम करने के लिए हटा दिए : डंपर के दो टायर एसटीएफ ने मौरंग लदे डंपर को चेक किया तो पता चला कि यह 14 चक्के का है, लेकिन उसके दो टायर गायब हैं। धंधे से जुड़े लोग बताते हैं कि टायर कम करके इनके वजन के बराबर का माल लोड किया जाता है।

वसूली की रकम से दलाल ने खरीदी कार : मूल रूप से सीतापुर निवासी दलाल अभिनव मड़ियांव के शेरवानीनगर में रहता है। उसके पास से कार बरामद हुई है। इसे उसने वसूली के रुपये से लोन पर खरीदा था। अब एसटीएफ और पुलिस की टीम इस गोरखधंधे से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में लगी है। केस में नामजद किए गए परिवहन विभाग के अधिकारियों से भी जल्द एसटीएफ और पुलिस की टीम पूछताछ करेगी।

घर के पास खेल रही तीन साल की बच्ची को उठा ले गया भेड़िया

बौंडी/कैसरगंज। जिले में भेड़िये के हमले थम नहीं रहे हैं। बृहस्पतिवार सुबह घर के सामने खेल रही एक मासूम पर झपट्टा मारकर भेड़िया उसे खेत में खींच ले गया। ग्रामीण बचाने दौड़े लेकिन बालिका का कोई पता नहीं चल सका। मौके पर पहुंचे वनाधिकारियों ने ड्रोन की मदद से तलाश शुरू की है। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्राम पंचायत गोडहिया नंबर-तीन के मजरा लोधन पुरवा निवासी संतोष कुमार का कच्चा मकान है। बृहस्पतिवार सुबह परिवार के लोग कामकाज में व्यस्त थे। संतोष की पुत्री जाह्नवी (3) घर के सामने खेल रही थी। तभी अचानक झाड़ियों से निकला भेड़िया उसे जबड़े में दबोचकर खेत की ओर भाग गया। बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण शोर मचाते हुए दौड़े, मगर तब तक भेड़िया खेतों में ओझल हो गया। आधे घंटे बाद वन विभाग और पुलिस टीम ने गांव पहुंचकर खेतों में कॉम्बिंग शुरू की लेकिन शाम तक बालिका का कोई पता नहीं चल सका। घटना के बाद से गांव के लोगों में आक्रोश के साथ दहशत भी है।

डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि मौके पर वनकर्मी और पुलिस बल तैनात हैं। उन्होंने कहा कि पांच टीमें लगाई गई हैं जो ड्रोन से तलाशी कर रही हैं। ग्रामीणों से भी सतर्क रहने और बच्चों को घर के बाहर अकेला न छोड़ने की अपील की गई है।

अक्तूबर माह में थमे, फिर शुरू हो गए हमले : भेड़िये के हमले सितंबर माह में सर्वाधिक हुए। हालांकि अक्तूबर माह में एक भी हमला नहीं हुआ। लेकिन अब नवंबर में हमले का सिलसिला फिर शुरू हो गया है। वहीं वन विभाग निरंतर निगरानी का दावा कर रहा है लेकिन हमले थम नहीं रहे। डीएफओ आशंका जता रहे हैं कि एक भेड़िया मिसिंग है, वही हमले कर रहा है।

दालमंडी चौड़ीकरणः व्यापारियों की मांग- बेनियाबाग में बसा दो, प्रशासन ने कहा लोहता, मोहनसराय में ले लो दुकानें

वाराणसी, एजेंसी। दालमंडी के कुछ व्यापारियों ने बृहस्पतिवार को सर्किट हाउस में प्रशासन व पीडब्ल्यूडी के अफसरों से मुलाकात की। व्यापारियों ने कहा कि उनकी दुकानें तोड़ने से पहले उन्हें दुकानें दी जाएं। जिन दुकानदारों की दुकानें टूट गई है, वह अब कहां व्यापार करें, या आगे जिन लोगों की दुकानें तोड़ी जाएंगी, वहां कहां जाएंगे। व्यापारियों ने मांग की है कि बेनियाबाग में मार्केट तैयार कर उन्हें दुकानें दी जाएं।

व्यापारियों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि डीएम ने कहा कि लोहता और मोहनसराय में मार्केट तैयार करा देंगे, वहां दुकानें ले लो। इस पर दुकानदार नहीं माने। व्यापारी मोहम्मद फैसल ने बताया कि काफी देर तक अधिकारियों के साथ बैठक हुई। हम लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं, अफसरों ने कहा कि चौड़ीकरण का काम तो जरूर होगा और चिह्नित किए गए भवन भी तोड़े जाएंगे। इस पर व्यापारियों ने मांग रखी है कि उन्हें बेनियाबाग में दुकानें तैयार करके दे दी जाएं। इस पर अफसरों ने उनसे कहा है कि मोहनसराय और लोहता क्षेत्र में दुकानें ले लें।

दुकानदार नजमी सुल्तान ने कहा कि हम लोगों ने डीएम से साफ-साफ कहा कि हमें शहर से बाहर नहीं जाना है। व्यापारी कायनात वारसी ने कहा कि शहरी सीमा से बाहर नहीं जाएंगे। दालमंडी के पास ही दुकानदारों को बसाया जाना चाहिए। व्यापारियों ने अफसरों से यह भी मांग की है कि पहले उन्हें कहीं बसाया जाए और उसके बाद उनकी दुकानें तोड़ी जाएं। बसाने से पहले यह ध्वस्तीकरण का काम बंद हो।

दालमंडी चौड़ीकरण : 35 दुकानों पर लगे लाल निशान : बुधवार को पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की टीम फोर्स के साथ पहुंची और दुकानों की नापी की। 35 दुकानों पर लाल निशान लगाए गए।

एक भवन से संबंधित दस्तावेज सत्यापन के लिए पीडब्ल्यूडी के कैंप कार्यालय में जमा हुए। साथ ही में सुबह से पीडब्लूडी और वीडीए के अधिकारी चौक से नई सड़क तक मुनादी करते रहे। एक तरफ ऐसे भवन स्वामी और दुकानदार जिनका मामला कोर्ट में लंबित है या जो कि कोर्ट से स्टे ऑर्डर ले कर बैठे है। अधिकारियों के पहुंचने पर उनको अपने कोर्ट का आदेश दिखाते हुए दिखे और कागजात के बारे में जानकारी देते दिखे।

लखनऊ पहुंची विश्वकप विजेता क्रिकेटर दीप्ति शर्मा, बोलीं- घर पर जीतने की बात ही निराली

लखनऊ, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्वकप की विजेता टीम की सदस्य रहीं यूपी की दीप्ति शर्मा शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय पहुंची। यहां उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा से मुलाकात की। इसके बाद संवाददाताओं से बातचीत में डीएसपी दीप्ति ने कहा कि भारत की मेजबानी में हो रहे महिला विश्वकप को लेकर हम सभी खिलाड़ी काफी उत्साहित थे। यह मौका चार साल में एक बार आता है और हम इसे खोना नहीं चाहते थे। लीग चरण में लगातार तीन मैच गंवाना बड़ी बात थी, लेकिन हमने अपना हौसला नहीं खोया और फिर अपनी लय हासिल की। इसका परिणाम हमारे लिए विश्वकप विजेता ट्रॉफी के रूप में सामने आया। लखनऊ में दीप्ति शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी अपने परिजनों संग मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि मेरे विचार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला हमारे लिए बड़ा मुकाबला था, जहां सात बार की चैंपियन से पार पाना आसान नहीं लग रहा था। हालांकि मुकाबले से पहले हम सभी इस विश्वास के साथ उतरे थे कि यह मैच जीत सकते हैं। ठीक वैसा ही हुआ और हमने धमाकेदार जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में भी सभी खिलाड़ियों से शानदार खेल दिखाया, जिसकी बदौलत हमारी टीम पहली बार विश्व चैंपियन बनी।

अपने प्रदर्शन के बाबत पूछे गए प्रश्न के बारे में दीप्ति ने कहा कि मैंने टूर्नामेंट से पहले काफी मेहनत की थी। साथ ही टीम मैनेजमेंट ने भी मुझ पर विश्वास जताया। वैसे तो मैं विश्वकप में अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन से बहुत खुश हूं, लेकिन टीम की जीत ज्यादा जरूरी थी। विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनना भी मेरे कॅरिअर बड़ी उपलब्धि रही। इस खूबसूरत याद को हमेशा संजोकर रखना चाहूंगी।

78 मुकदमे के आरोपी माफिया कुंटू सिंह की पत्नी समेत तीन हिरासत में, चार पर लगा गैंगस्टर एक्ट

आजमगढ़, एजेंसी। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में अपराधियों पर नकेल कसने के अभियान के तहत आजमगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेशस्तर पर चिन्हित माफिया व गैंग लीडर ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह सहित चार अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह फर्जी कागजात बनवाकर श्रीकृष्ण पाठशाला (इंटर कॉलेज), आजमगढ़ की मैनेजिंग कमेटी पर कब्जा जमाने की साजिश कर रहा था। इस मामले में पुलिस ने कुंटू सिंह की पत्नी बंदना सिंह सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए कोतवाली में पुलिस ने पीएसी लगाई है।

प्रभारी निरीक्षक यादवेन्द्र पांडेय की तहरीर पर थाना कोतवाली में गैंगस्टर एक्ट में कुंटू सिंह, उसकी पत्नी बंदना सिंह, सहयोगी सुनील कुमार सिंह व नरेन्द्र कुमार सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक गिरोह द्वारा आर्थिक व भौतिक लाभ के लिए फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार कर विद्यालय प्रबन्धन पर कब्जे का प्रयास, विरोध करने वालों को फर्जी मुकदमों में फसाने की साजिश, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी जैसे अपराध किए जा रहे थे। इसी गिरोह के खिलाफ पहले भी कोतवाली में कई मुकदमा पंजीकृत है, जिसकी विवेचना पूरी कर पुलिस न्यायालय को आरोप पत्र भेज चुकी है।। पुलिस की ओर से जारी आपराधिक इतिहास में कुंटू सिंह के नाम हत्या, लूट, गैंगेस्टर, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, एससी-एसटी एक्ट सहित कुल 78 मुकदमे दर्ज पाए गए हैं।

यूपी कैबिनेट का बड़ा फैसला, 10 वर्ष तक के किरायेदारी पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस में बड़ी राहत

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में किरायेदारी को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए भी बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने 10 वर्ष तक की अवधि के किरायानामा विलेखों पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट मंजूर कर दी है। इसका उद्देश्य यह है कि भवन स्वामी और किरायेदार दोनों किरायानामा लिखित रूप में तैयार करें और रजिस्ट्री कराएं, जिससे विवाद कम हों और किरायेदारी विनियमन अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि वर्तमान नियमों के अनुसार एक वर्ष से अधिक अवधि की किरायेदारी विलेख की रजिस्ट्री अनिवार्य है, लेकिन आमतौर पर अधिकांश किरायानामे मौखिक होते हैं या यदि लिखित होते भी हैं तो उनकी रजिस्ट्री नहीं कराई जाती। ऐसे मामलों का पता आमतौर पर जीएसटी विभाग और बिजली विभाग जैसी एजेंसियों की पत्रावलियों की जांच में चलता है और बाद में कमी स्टाम्प शुल्क की वसूली की कार्रवाई करनी पड़ती है। यह भी अनिवार्य है कि किरायेदारी विलेख की रजिस्ट्री हो या न हो, उस पर सही स्टाम्प शुल्क हर हाल में जमा होना चाहिए।

सरकार का मानना है कि यदि शुल्क अधिक होता है तो लोग विलेख लिखने और रजिस्ट्री कराने से बचते हैं। इसी वजह से मानक किरायेदारी विलेख को बढ़ावा देने और 10 वर्ष तक की अवधि के रेंट एग्रीमेंट को औपचारिक बनाने के लिए शुल्क में व्यापक छूट देने की जरूरत महसूस की गई। इस छूट प्रणाली के तहत किरायेदारी विलेख पर अधिकतम स्टाम्प शुल्क और अधिकतम रजिस्ट्रेशन फीस अब निश्चित राशि से अधिक नहीं ली जाएगी। साथ ही औसत वार्षिक किराया तय करते समय अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये रखी गई है। टोल संबंधी पट्टे और खनन पट्टों को छूट से बाहर रखा गया है ताकि राजस्व हानि न हो।

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि नई व्यवस्था के अनुसार अधिकतम स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्री शुल्क की सीमा तय कर दी गई है। यह सीमा किरायेदारी की अवधि और औसत वार्षिक किराए के आधार पर लागू होगी। इसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा क्योंकि अब किरायेदारी विलेख पर भारी स्टाम्प शुल्क भरने की बाध्यता नहीं रहेगी और लोग अधिक सहजता से रजिस्ट्री करा सकेंगे।

त्रिलोकीगौढ़ी गांव में रातभर चहलकदमी करता रहा तेंदुआ

बिछिया। सुजौली रेंज क्षेत्र के त्रिलोकीगौढ़ी गांव में बुधवार रात तेंदुआ गांव में घुस आया और पूरी रात चहलकदमी करता रहा। दहशत में ग्रामीण घरों में कैद होकर पूरी रात जागते रहे। सूचना के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची, इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। गांव निवासी राजेंद्र यादव, रामचंद्र, अमित, रामसरन और प्रमोद यादव सहित कई लोगों ने बताया कि तेंदुआ पिछले कई दिनों से गांव के बाहर घूमता देखा गया है। ग्रामीणों ने बताया कि वे कई बार वन विभाग को इसकी जानकारी दे चुके हैं, लेकिन अब तक न तो कोई वनकर्मी गांव में आया है और न ही तेंदुए से सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम किए गए। जबकि उसके पद चिह्नों के चित्र भी वनाधिकारियों को भेजे गए हैं।

लोगों का कहना है कि तेंदुआ रोज रात में शिकार की तलाश में आता है और कभी भी किसी इंसान या मवेशी पर हमला कर सकता है। महिलाओं और बच्चों के घर से बाहर निकलने पर रोक लगा दी गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल गांव में पिंजरा लगाने, ड्रोन से निगरानी करने और गश्त बढ़ाने की मांग की है।

कुलदीप यादव ने शादी के लिए बीसीसीआई से मांगी छुट्टी, साउथ अफ्रीका के खिलाफ नहीं खेलेंगे दूसरा टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी शादी के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से महीने के अंत में यानी नवंबर के आखिर में छुट्टी मांगी है। कुलदीप यादव फिलहाल साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं। खबरों के मुताबिक कुलदीप यादव की शादी साल 2025 की शुरुआत में होनी थी, लेकिन आईपीएल के समाप्त होने में देरी की वजह से इसे टाल दिया गया था। टीओआई के मुताबिक कुलदीप अपनी शादी की छुट्टी के लिए बीसीसीआई से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि इस स्पिनर ने नवंबर के आखिरी हफ्ते के लिए बोर्ड से छुट्टी मांगी है। कुलदीप को अगर छुट्टी मिल जाती है तो इस बात की संभावना है कि वो साउथ अफ्रीका के खिलाफ शायद ही दूसरा टेस्ट मैच खेल पाएंगे।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि कुलदीप यादव की शादी नवंबर के आखिरी हफ्ते में होनी है और टीम प्रबंधन उनकी छुट्टीयों की सही संख्या तय करने से पहले ये आकलन करेगा कि उन्हें कब कुलदीप की सेवाओं की जरूरत है। आपको बता दें कि कुलदीप यादव की सगाई उनकी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ 4 जून, 2025 को लखनऊ में हुई थी। इसमें परिवार के करीबी सदस्य और दोस्त जैसे क्रिकेटर रिंकू सिंह शामिल हुए थे। वंशिका लखनऊ की रहने वाली हैं और एलआईसी में काम करती हैं।

फैंस को बड़ा झटका!

इस जाने माने रेसलर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई से निकाले जाने के बाद अचानक लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोफेशनल रेसलिंग की दुनिया से एक बड़ी और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार और एनएक्सटी टैग टीम चैंपियन फैंडेंगो ने अचानक इन-रिंग एक्शन से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। 42 वर्षीय फैंडेंगो का यह फैसला उनके फैंस के लिए एक झटका है।

फैंडेंगो जिनका असली नाम जेडीसी है इस समय टीएनए में काम कर रहे हैं और सिस्टम स्टेबल ग्रुप का हिस्सा हैं। उन्होंने टीएनए इम्पैक्ट के हालिया शो में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की। फैंडेंगो ने ऐलान किया कि वह जनवरी 2026 में डैलस में होने वाले टीएनए के (पे-पर-व्यू) इवेंट के बाद इन-रिंग एक्शन से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने यह घोषणा फुल सेल यूनिवर्सिटी में की जो कई सालों तक डब्ल्यूडब्ल्यूई एनएक्सटी का घरेलू मैदान रहा था जिससे यह पल और भी भावनात्मक हो गया। फैंडेंगो को 2021 में डब्ल्यूडब्ल्यूई से रिलीज़ कर दिया गया था। उन्होंने टायलर ब्रीज के साथ मिलकर एनएक्सटी टैग टीम चैंपियनशिप भी जीती थी।

आयरलैंड के खिलाफ रोनाल्डो को रेड कार्ड, बैन का खतरा; फ्रांस ने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया

डबलिन, एजेंसी। रोनाल्डो का लाल कार्ड पुर्तगाल के लिए बड़ा झटका है। अब उनका वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच में खेल पाना अनिश्चित है। फ्रांस ने अपनी ताकत साबित की, इंग्लैंड अपनी लय में है, जबकि पुर्तगाल और नॉर्वे के लिए अगला मैच सब कुछ तय करेगा। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का वर्ल्ड कप 2026 खेलना संकट में पड़ गया है। आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में उन्हें हिंसक व्यवहार के चलते लाल कार्ड मिला, जिसके बाद वे कम से कम एक मैच के लिए तो निलंबित होंगे ही, लेकिन फीफा नियमों के अनुसार उन पर लंबा बैन भी लग सकता है।

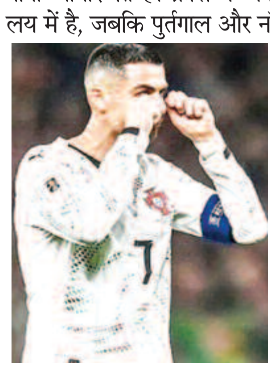

पुर्तगाल इस हार की वजह से क्वालिफिकेशन सुनिश्चित नहीं कर सका, जबकि फ्रांस ने दमदार जीत के साथ वर्ल्ड कप का टिकट काट लिया। डबलिन में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पुर्तगाल को 2-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। मैच के दौरान लगभग एक घंटे के समय पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने डिफेंडर डारा ओ'शे की पीठ पर कुहनी मारी।

भारत-दक्षिण अफ्रीका:

पहला टेस्ट : जसप्रीत बुमराह ने खोला 'पंजा'

● साउथ अफ्रीका पहली पारी में सिर्फ 159 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के सामने साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए हैं। मेहमान टीम पहली पारी में सिर्फ 159 रन पर ऑलआउट हो गई। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन के बीच 10.3 ओवरों में 57 रन की साझेदारी हुई। रिकेल्टन 22 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम लड़खड़ा गई। साउथ अफ्रीकी टीम ने 71 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से टोनी डी जोरजी ने वियान मुल्डर के साथ चौथे विकेट के लिए 83 गेंदों में 43 रन की साझेदारी की। ये दोनों ही खिलाड़ी 24-24 रन का योगदान देकर आउट हुए।

इनके अलावा, काइल वेरेन्ने ने 16 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 15 रन बनाकर नाबाद रहे। साउथ अफ्रीका के 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 14 ओवरों में महज 27 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। यह साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। साल 2024 में बुमराह ने केपटाउन में खेले गए टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 61 देकर 6 विकेट हासिल किए थे। बुमराह के अलावा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने 2-2 सफलताएं हासिल कीं, जबकि शेष एक विकेट अक्षर पटेल के नाम रहा।

भारतीय टीम ने अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट मैच में 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। इसके बाद टीम इंडिया अपनी सरजमीं पर साउथ अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में उतरी है। भारतीय फैंस को उम्मीद है कि मेजबान टीम इस सीरीज में भी 2-0 से क्लीन स्वीप करेगी। भारतीय टीम में ऋषभ पंत की वापसी हुई है, जिन्हें इंग्लैंड दौरे पर चोटिल होने के बाद सीरीज बीच में ही छोड़नी पड़ी थी। भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट पर 37 बनाए।

3 खिलाड़ी जो साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज में ले सकते श्रेयस अय्यर की जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की टीम का भारतीय दौरा दो मैचों की टेस्ट सीरीज से शुरू हो गया है। टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद पांच टी20 मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी। फिलहाल वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड को लेकर लगातार चर्चा जारी है। क्योंकि वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं। ऐसे में उनकी जगह कौन ले सकता है इस पर अटकलें लगने लगी हैं। फिलहाल तीन ऐसे खिलाड़ियों का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है जो चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह साउथ अफ्रीका सीरीज में उनकी जगह ले सकते हैं। इसमें तीनों खिलाड़ी ऐसे हैं जो भारत के लिए वनडे डेब्यू कर चुके हैं। इसमें से एक ऐसा खिलाड़ी भी है जिसके नाम पूरे करियर में हर फॉर्मेट में मिलाकर 32 शतक भी दर्ज हैं। आइए जानते हैं तीनों खिलाड़ियों के नामः-

1- ऋषभ पंत

ऋषभ पंत पिछले कुछ समय से वनडे टीम से बाहर हैं। उनकी जगह भी इस टीम में नहीं बन पा रही है। वनडे विश्व कप 2023 के पहले से ही केएल राहुल टीम के लिए बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेलते हैं। ऐसे में उनकी जगह नहीं बन पा रही थी। अब अय्यर चोटिल हैं और अगर वह बाहर होते हैं तो पंत को वापस से टीम इंडिया में जगह मिल सकती है और वह नंबर 4 पर अय्यर की जगह खेलते भी नजर आ सकते हैं।

पंत टेस्ट में भी कप्तान शुभमन गिल के साथ उपकप्तान हैं। ऐसे में अब वनडे में भी उपकप्तान अय्यर की गैरमौजूदगी में यह नजारा दिख सकता है। ऋषभ पंत के करियर की बात करें तो उनके नाम 31 वनडे इंटरनेशनल की 27 पारियों में 871 रन दर्ज हैं। उनके नाम वनडे इंटरनेशनल में एक शतक और 5 अर्धशतक दर्ज हैं। लिस्ट ए में भी पंत ने 61 पारियों में 1789 रन बनाए हैं जिसमें 2 शतक और 11 अर्धशतक दर्ज हैं।

2- तिलक वर्मा

इंडिया ए टीम की साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में कप्तानी कर रहे तिलक वर्मा भी श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने 2023 में भारत के लिए वनडे डेब्यू किया था लेकिन करीब दो साल से वह वनडे टीम में वापस नहीं आए हैं। उन्होंने भारत के लिए 4 वनडे मैचों में एक अर्धशतक समेत 68 रन बनाए। यह आंकड़े उनके टैलेंट के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं।

वह भारत के अलावा लिस्ट ए में 41 पारियों में 1684 रन बना चुके हैं जिसमें 5 शतक और 10 अर्धशतक उनके नाम दर्ज हैं। वहीं टी20 इंटरनेशनल में वह भारत के लिए 33 पारियों में 996 रन बना चुके हैं जिसमें 2 शतक और 4 अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका टी20 में औसत 47से अधिक का है। वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में तिलक ने 35 पारियों में 1562 रन बनाए हैं और 7 शतक व 5 अर्धशतक उनके नाम दर्ज हैं।

3- ऋतुराज गायकवाड़

इस लिस्ट में तीसरा और सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला नाम है ऋतुराज गायकवाड़ का। साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में ऋतुराज इंडिया ए के उपकप्तान हैं और पहले वनडे में उन्होंने 117 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी भी खेली है। इसके बाद उन्होंने वनडे टीम के लिए अपनी दावेदारी भी पेश कर दी है। ऋतुराज का लिस्ट ए करियर रिकॉर्ड भी इन तीनों बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है।

ऋतुराज गायकवाड़ भारत के लिए भी 6 वनडे मैच खेल चुके हैं और 115 रन उन्होंने बनाए हैं। 71 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। ऋतुराज की बात करें तो उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए एक शतक भी लगाया है। 20 पारियों में उनके नाम टी20 इंटरनेशनल में 633 रन दर्ज हैं।

हरमनप्रीत कौर का खुलासा

विराट नहीं, ये दिग्गज कप्तान है उनकी पहली पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर इन दिनों अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर चर्चा में हैं. उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप जीतकर देश का सीना चौड़ा कर दिया. विश्व विजेता बनने के बाद हरमन जहां-जहां जा रही हैं, वहां लोगों का प्यार और सम्मान उन्हें मिल रहा है. इसी बीच चेन्नई में एक स्कूल इवेंट के दौरान हरमनप्रीत कौर ने एक दिलचस्प खुलासा किया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

हरमन ने चुना अपना फेवरेट कप्तान: चेन्नई के वेलाम्मल नेक्सस स्कूल में हुए कार्यक्रम में छात्राओं को हरमनप्रीत कौर से सवाल पूछने का मौका मिला. बच्चों ने उनसे पूछा, 'आपको विराट कोहली ज्यादा पसंद हैं या महेंद्र सिंह धोनी?' हरमन ने बिना झिझक एमएस धोनी का नाम लिया. उनका यह जवाब सुनकर सभी हैरान रह गए. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और फैन्स हरमन के इस जवाब को खूब पसंद कर रहे हैं.

विश्व कप जीतकर बनीं इतिहास का हिस्सा: 2 नवंबर को हरमनप्रीत कौर

की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर विश्व कप ट्रॉफी जीती. यह जीत सिर्फ एक खिताब नहीं थी बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक सुनहरा पल साबित हुई. इस जीत के साथ ही हरमनप्रीत कौर का नाम कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज कप्तानों के साथ दर्ज हो गया, जिन्होंने भारत को विश्व कप जीताया है.

किस खिलाड़ी से प्रेरणा लेती हैं हरमन: कार्यक्रम के दौरान एक और सवाल किया गया कि वह किस खिलाड़ी से सबसे ज्यादा प्रेरणा लेती हैं. हरमन ने बिना किसी हिचकिचाहट के वीरेंद्र सहवाग का नाम लिया. उन्होंने बताया कि सहवाग की बेखौफ और आक्रमक बल्लेबाजी हमेशा उन्हें प्रोत्साहित करती है.

युवा लड़कियों को दिया प्रेरक संदेश: हरमनप्रीत कौर ने युवा छात्राओं को सलाह देते हुए कहा कि यदि वे किसी लक्ष्य को पाना चाहती हैं, तो कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास ही सफलता का रास्ता है. उन्होंने कहा कि यह विश्व कप सिर्फ उनका नहीं, बल्कि हर उस लड़की का है जो बड़े सपने देखती है और उन्हें पूरा करने का साहस रखती है. हरमन का यह इवेंट वाला वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब छाया हुआ है.

फिट इंडिया कोलकाता साइक्लोथॉन में 4000 से ज्यादा प्रतिभागी हुए शामिल

● पेस-उषा उथुप रहे मुख्य अतिथि

कोलकाता, एजेंसी। राइड फॉर चेंज, राइड फॉर कोलकाता थीम पर आधारित इस आयोजन में 70 किमी प्रो राइड, 50 किमी एंड्यूरेंस राइड, 25 किमी एमेच्योर राइड, 10 किमी फन राइड और 5 किमी फन रन की श्रेणियां रखी गईं।

फिटनेस और हरित जीवनशैली के संदेश के साथ कोलकाता ने इतिहास रच दिया। कोल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से लोहा फाउंडेशन और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित फिट इंडिया कोलकाता साइक्लोथॉन 2025 में चार हजार से अधिक साइक्लिस्टों ने भाग लिया। इस तरह यह पूर्वी भारत का अब तक का सबसे बड़ा साइक्लिंग आयोजन बन गया।

गायक शादाब ने बढ़ाया उत्साह

इस अवसर पर पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और गायिका उषा उथुप ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बॉलीवुड गायक शादाब फरीदी ने अपने गीतों से प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। राइड फॉर चेंज, राइड फॉर कोलकाता थीम पर आधारित इस आयोजन

में 70 किमी प्रो राइड, 50 किमी एंड्यूरेंस राइड, 25 किमी एमेच्योर राइड, 10 किमी फन राइड और 5 किमी फन रन की श्रेणियां रखी गईं। सुबह चार बजकर 20 मिनट पर साई मुख्य द्वार से इसकी शुरुआत हुई और शहर की प्रमुख सड़कों पर साइकिल चालकों की लंबी कतारें देखने लायक थीं।

कार्यक्रम में साई की कार्यकारी निदेशक अमर ज्योति, आईपीएस कृष्ण प्रकाश (रेस डायरेक्टर), बिधाननगर पुलिस आयुक्त मुकेश कुमार, कोल इंडिया के अध्यक्ष सनोज कुमार झा, पूर्व अध्यक्ष पीएम प्रसाद और कोलकाता के पोस्टमास्टर जनरल अशोक कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अंकिता ने लगाया सोने पर निशाना, ओलंपिक रजत पदक विजेता सुहयोन को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। अंकिता भकत ने शुक्रवार को एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन को फाइनल में 7-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए महिला रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत ने शुक्रवार को एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन को पांच सेट के चुनौतीपूर्ण फाइनल में 7-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए महिला रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। भारत ने संगीता की बदौलत महिला रिकर्व का कांस्य पदक भी हासिल किया जिसमें इस तीरंदाज ने हमवतन और अनुभवी पांच बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी को शूट-ऑफ में 6-5 से शिकस्त दी। अंकिता ने इससे पहले सेमीफाइनल में सीनियर साथी और दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी को हराया था।

ट्राइडेंट ओपन में मनोज ने हासिल की लीड, 67 का कार्ड खेलकर शीर्ष पर पहुंचे

चंडीगढ़, एजेंसी। बेंगलुरु के 17 वर्षीय उभरते गोल्फर मनोज एस ने ट्राइडेंट ओपन 2025 के तीसरे राउंड में बेहतरीन 5-अंडर 67 का कार्ड खेलते हुए लीड अपने नाम कर ली। 1 करोड़ रुपए की प्राइज मनी वाले ट्राइडेंट ओपन के पहले संस्करण का आयोजन चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में हो रहा है।

मनोज (69-71-67) तीन राउंड के बाद 9-अंडर 207 के कुल स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त पर पहुंच गए। 17 साल, 7 महीने और 26 दिन की उम्र में

मनोज अब पीजीटीआई पर प्रोफेशनल के रूप में जीत दर्ज करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की दहलीज पर हैं। वर्तमान रिकॉर्ड शुभंकर शर्मा के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 साल, 8 महीने और 22 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। करनदीप कोचर अब भी सबसे युवा विजेता हैं, जिन्होंने 17 साल 5 महीने की उम्र में (अमेच्योर रहते) 2016 में जीत हासिल की थी।

पूर्व पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन मनु गनदास (66-73-69) ने 69 का कार्ड खेलकर कुल 8-अंडर 208 के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए दिन समाप्त किया।टॉप-2 खिलाड़ियों और बाकी फील्ड के बीच अच्छी खासी दूरी रही।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी ने सुनाई सजा

● कप्तान बनते ही शाहीन अफरीदी को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का 11 नवंबर 2025 से आगाज हुआ था। पहला मैच पाकिस्तान ने 6 रन से जीता था और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी। लेकिन उसके बाद इस्लामाबाद में हुए ब्लास्ट से इस सीरीज पर रद्द होने का खतरा मंडराया लेकिन अंत में इसका शेड्यूल बदलते हुए बात बनी। मगर अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक और बड़ा झटका लगा है, 14 नवंबर शुक्रवार को दूसरे वनडे से पहले टीम को आईसीसी ने सजा सुना दी है।

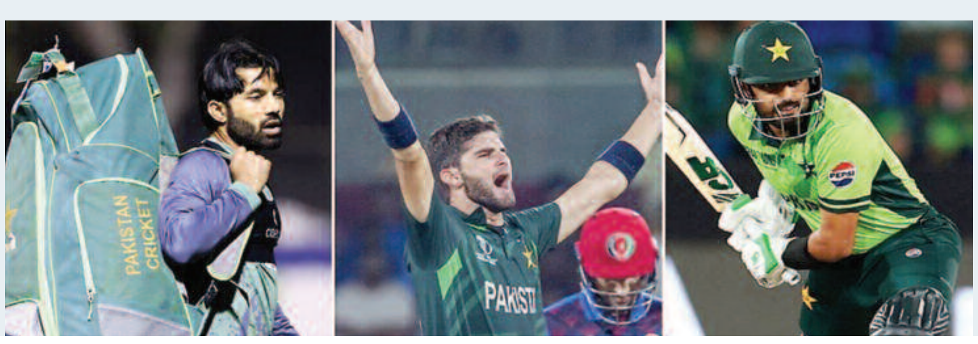

आपको बता दें कि रावलपिंडी में मंगलवार को खेले गए पहले वनडे मैच में शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली पाकिस्तान की टीम को स्लो ओवर रेट का दोषी पाया गया है। इस आरोप के सिद्ध होने के बाद आईसीसी ने सजा सुनाई और पूरी टीम के ऊपर 20 प्रतिशत मैच फीस कटने का जुर्माना लगाया। आईसीसी पैनल के मैच रेफरी अली नकवी ने इस आरोप को लगाया और शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली टीम को तय समय से चार ओवर पीछे पाया था। आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत पाकिस्तान की टीम को इस आरोप में दोषी पाया गया।

इसके तहत पूरी टीम को मैच फीस के पांच प्रतिशत प्रति ओवर कटने की सजा सुनाई गई। यानी कुल 4 ओवर पीछे होने पर 20 प्रतिशत मैच फीस कटेगी। इस आरोप को लेकर फील्ड अंपायर एलेक्स व्हार्फ और आसिफ याकूब व थर्ड अंपायर शर्फुद्दौला इबने शाहिद और फोर्थ अंपायर राशिद रियाज ने मैच रेफरी से शिकायत की।